वर्ष 24, अंक 281, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार 18 अप्रैल 2025 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

न नई नियुक्ति होगी, न प्रॉपर्टी डिनोटिफाई होगी

नई दिल्ली

केंद्र के जवाब का प्रत्युत्तर पांच दिनों के भीतर दाखिल किया जाएगा और सुनवाई मई में शुरू होने वाली है। सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई 5 मई को दोपहर 2 बजे तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर रोक नहीं लगाई है, लेकिन केंद्र के इस आश्वासन को रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया है कि संशोधित अधिनियम के तहत फिलहाल केंद्रीय वक्फ परिषद या वक्फ बोर्ड में कोई नई नियुक्ति नहीं की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर आज भी सुनवाई की। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह है और उसे वक्फ मुद्दे के बारे में कई ज्ञापन मिले हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे गांव और बड़ी मात्रा में जमीन को वक्फ घोषित कर दिया गया है, जिससे यह एक महत्वपूर्ण विधायी मामला बन गया है। मेहता ने तर्क दिया कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम पर रोक लगाना एक कठोर कदम होगा और अदालत से अनुरोध किया कि वह सहायक दस्तावेजों के साथ प्रारंभिक प्रतिक्रिया दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दे, जिसमें कहा गया कि मामले पर विस्तृत विचार की आवश्यकता है।

केंद्र के जवाब का प्रत्युत्तर पांच दिनों के भीतर दाखिल किया जाएगा और सुनवाई मई में शुरू होने वाली है। सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई 5 मई को दोपहर 2 बजे तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम,

2025 पर रोक नहीं लगाई है, लेकिन केंद्र के इस आश्वासन को रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया है कि संशोधित अधिनियम के तहत फिलहाल केंद्रीय वक्फ परिषद या वक्फ बोर्ड में कोई नई नियुक्ति नहीं की जाएगी। सरकार ने यह भी आश्वासन दिया है कि मूल 1995 अधिनियम के तहत पहले से ही वक्फ घोषित संपत्तियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि यथास्थिति बरकरार रखी जाएगी।

सीजेआई ने कहा कि वक्फ अधिनियम 1995 और इसके 2013 संशोधनों को चुनौती देने वाली रिट याचिकाओं को इस बैच से अलग सूचीबद्ध किया जाएगा। 2025 के मामले के संबंध में रिट दायर करने वाले याचिकाकर्ता विशेष मामले के रूप में अपनी प्रतिक्रिया दाखिल करने के लिए स्वतंत्र हैं। सीजेआई ने कहा कि पक्षों के बीच इस बात पर आम सहमति है कि किन याचिकाओं को मुख्य मामलों के रूप में माना जाएगा। अन्य याचिकाओं को उन मुख्य मामलों के अंतर्गत आवेदनों के रूप में माना जाना चाहिए।

दाऊदी बोहरा समुदाय ने पीएम मोदी से की मुलाकात, वक्फ कानून को बताया ऐतिहासिक

दाऊदी बोहरा समुदाय ने आगे प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के विजन पर भी विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि वे इस सोच के साथ खुद को जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। बता दें कि दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रतिनिधिमंडल की पीएम मोदी के साथ मुलाकात के दौरान केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी मौजूद रहे।

दाऊदी बोहरा समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और वक्फ संशोधन अधिनियम के लिए उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह समुदाय की लंबे समय से लंबित मांग थी। दाऊदी बोहरा समुदाय ने आगे प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के विजन पर भी विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि वे इस सोच के साथ खुद को जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। बता दें कि दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रतिनिधिमंडल की पीएम मोदी के साथ मुलाकात के दौरान केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी मौजूद रहे।

बोहरा मुसलमान

बोहराओं ने अपना नाम गुजराती शब्द "वाहौरौ" से लिया है, जिसका अर्थ है "व्यापार करना"। एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका के अनुसार "बोहराओं में शिया के अलावा, अक्सर व्यापारी वर्ग, सुन्नी अल्पसंख्यक शामिल होते हैं जो आमतौर पर किसान होते हैं।

'राष्ट्रपति को नहीं दे सकते आदेश, सुपर संसद की तरह काम कर रहे जज'

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार (17 अप्रैल 2025) को न्यायपालिका की ओर से राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समयसीमा निर्धारित करने और सुपर संसद के रूप में कार्य करने को लेकर सवाल उठाया. उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट लोकतांत्रिक ताकतों पर परमाणु मिसाइल नहीं दाग सकता. उपराष्ट्रपति ने राज्यसभा के 6वें बैच के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए यह बयान दिया.

'सुपर संसद की तरह काम कर रहे जज'

कुछ दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल की ओर से राष्ट्रपति के विचारार्थ रखे गए विधेयकों पर राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए समयसीमा तय की थी. उन्होंने कहा,ह्यहमारे पास ऐसे जस्टिस हैं जो कानून बनाएंगे, कार्यपालिका के कार्य करेंगे, जो सुपर संसद के रूप में कार्य

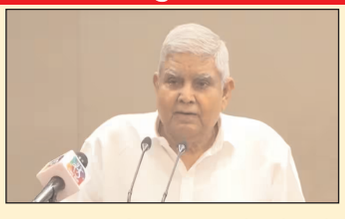

करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है. उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट को पूर्ण शक्तियां प्रदान करने वाले संविधान के अनुच्छेद 142 को न्यायपालिका को चौबीसों घंटे उपलब्ध लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ परमाणु मिसाइल करार दिया. उन्होंने कहा, ह्यह्यअनुच्छेद 142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल बन गया है, जो न्यायपालिका के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है.ह्लह्ल संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को अपने समक्ष किसी भी मामले में पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने हेतु आदेश जारी करने की शक्ति देता है. इस शक्ति को सुप्रीम कोर्ट की पूर्ण शक्ति के रूप में भी जाना जाता है.

देश में क्या हो रहा है- उपराष्ट्रपति ने पूछा

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, हाल ही में एक फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिया गया है. हम किस दिशा में जा रहे हैं? देश में क्या हो रहा है? हमें बेहद संवेदनशील होना चाहिए. यह सवाल नहीं है कि कोई पुनर्विचार याचिका दायर करता है या नहीं. हमने इस दिन के लिए लोकतंत्र की कभी उम्मीद नहीं की थी. राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने के लिए कहा जाता है और यदि ऐसा नहीं होता है।

इस एक्ट के खिलाफ याचिका दायर की है और यह कानूनी लड़ाई जारी रहेगी-असदुद्दीन ओवैसी

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार (17 अप्रैल, 2025) को वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर लगातार दूसरे दिन सुनवाई हुई. कोर्ट ने केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए 7 दिनों की समय सीमा दी है और कहा है कि इस दौरान कोई नई नियुक्ति या वक्फ संपत्तियों में बदलाव नहीं होगा.

कोर्ट की सुनवाई पर एआईएमआईएम चीफ और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी की ओर से पहली प्रतिक्रिया सामने आई है. उन्होंने कहा, "हम वक्फ संशोधन अधिनियम को पूरी तरह

असंवैधानिक मानते हैं. सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि 'वक्फ बाय यूजर' को नहीं हटाया जा सकता और नई नियुक्तियां नहीं होंगी, यह हमारे लिए राहत की बात है."

असदुद्दीन ओवैसी की प्रतिक्रिया

असदुद्दीन ओवैसी ने यह भी बताया कि उन्होंने खुद भी इस एक्ट के खिलाफ याचिका दायर की है और यह कानूनी लड़ाई जारी रहेगी7

रायजा ढिल्लों ने अपने पहले विश्व कप फाइनल में पांचवां स्थान हासिल किया

पेरू। पेरिस ओलंपियन रायजा ढिल्लों ने अपने पहले विश्व कप फाइनल में जगह बनाई, महिलाओं की स्कीट स्पर्धा में विश्वसनीय पांचवें स्थान पर रहीं, जबकि भारत ने अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन के दूसरे चरण के दूसरे दिन दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा। पूर्व जूनियर विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता और पिछले साल एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली रायजा ने एक शानदार फील्ड में एक नवोदित खिलाड़ी के लिए एक ठोस फाइनल शूट किया।

महागठबंधन की बैठक में समन्वय समिति बनाने का निर्णय, तेजस्वी यादव करेंगे

पटना। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्षी 'महागठबंधन' अब चुनावी मोड में आ चुका है। राजधानी पटना में गुरुवार को गठबंधन की पहली औपचारिक बैठक हुई जिसमें सभी घटक दलों के नेता शामिल हुए। इसमें चुनाव की तैयारियों के लिए एक समन्वय समिति बनाने का फैसला किया गया, जिसका नेतृत्व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव करेंगे। बैठक में कांग्रेस, राजद, भाकपा, माकपा, भाकपा (माले) और

विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने हिस्सा लिया। सभी दलों के प्रतिनिधियों ने अपनी बात रखी। सर्वसम्मति से एक समन्वय समिति बनाने का निर्णय लिया गया, जिसमें सभी घटक दलों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। राजद के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को इसका नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी गई है।

'सोनिया और राहुल गांधी आधुनिक डकैत' - संबित पात्रा

नई दिल्ली

नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले को 'जबरदस्त डकैती' करार देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता संबित पात्रा ने कांग्रेस के दिग्गज नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी को 'आधुनिक डकैत' कहा। प्रवर्तन निदेशालय ने इस सप्ताह मामले में आरोपपत्र दाखिल किया, जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम शामिल है। पात्रा मे कहा कि क्या कोई राजनीतिक कंपनी किसी दूसरी संस्था को पैसा उधार दे सकती है? कांग्रेस पार्टी, जो चंदे पर निर्भर है, उसने बैंक की तरह

यंग इंडियन और अखछ (एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड) को कैसे पैसा उधार दिया?

पात्रा ने कहा कि मैं आपसे अपील करता हूं कि आज से इस मामले को चोरी या भ्रष्टाचार मत कहिए, ये खुली डकैती है। राहुल गांधी और सोनिया गांधी आधुनिक डकैत हैं। ये नेशनल हेराल्ड डकैती का मामला है। आरोप पत्र में सैम पित्रोदा, सुमन दुबे, अन्य व्यक्तियों और फर्मों का भी नाम है। मामले में बहस 25 अप्रैल को होगी। यह मामला भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा कांग्रेस नेताओं और उनसे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ दायर की गई शिकायत पर आधारित है। इससे पहले गौरव भाटिया ने एक तीखे संबोधन में व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा और गांधी परिवार पर हमला बोला और उन्हें 'वंशानुगत भ्रष्ट' व्यक्ति करार दिया। यह बयान गुरुग्राम भूमि मामले के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा वाड्रा से पूछताछ के बीच आया है। मीडिया को संबोधित करते हुए भाटिया ने वाड्रा को 'भू-माफिया' करार दिया।

हम हिंदू हैं, हिंदी नहीं... महाराष्ट्र के स्कूलों में थ्री लैंग्वेज पॉलिसी पर बोले राज ठाकरे

महाराष्ट्र

राज ठाकरे ने एक्स पर में लिखा कि हम हिंदू हैं, लेकिन हिंदी नहीं! अगर आप महाराष्ट्र को हिंदी के रूप में चित्रित करने की कोशिश करेंगे। तो महाराष्ट्र में संघर्ष होना तय है। अगर आप यह सब देखेंगे, तो आपको लगेगा कि सरकार जानबूझकर यह संघर्ष पैदा कर रही है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने गुरुवार को राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन के तहत स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाए जाने

का विरोध किया। इस कदम का विरोध करते हुए राज ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी इस अनिवार्यता को बर्दाश्त नहीं करेगी और केंद्र को महाराष्ट्र में आगे बढ़ने के लिए हर चीज को "हिंदीकृत" करने की अनुमति नहीं देगी। एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के बाद, 2025-26 शैक्षणिक वर्ष से मराठी और अंग्रेजी-माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए हिंदी अनिवार्य तीसरी भाषा होगी। राज ठाकरे ने एक्स पर में लिखा कि हम हिंदू हैं, लेकिन हिंदी नहीं! अगर आप महाराष्ट्र को हिंदी के रूप में चित्रित करने की कोशिश करेंगे। तो महाराष्ट्र में संघर्ष होना तय है। अगर आप यह सब देखेंगे, तो आपको लगेगा कि सरकार जानबूझकर यह संघर्ष पैदा कर रही है। क्या यह सब आगामी चुनावों में मराठी और गैर-मराठी लोगों के बीच संघर्ष पैदा करने और इसका फायदा उठाने की कोशिश है?

महिलाओं के उत्पीड़न की जांच करेगा महिला आयोग

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के कुछ हिस्सों में हुई हिंसा के सिलसिले में अब तक गिरफ्तारियों की कुल संख्या 200 को पार कर गई है, राज्य पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) का एक प्रतिनिधिमंडल पश्चिम बंगाल में हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगा और पीड़ितों से मुलाकात करेगा। प्रतिनिधिमंडल गुरुवार शाम को कोलकाता पहुंचेगा और 18 अप्रैल को मालदा और 19 अप्रैल को मुर्शिदाबाद जाएगा। एनसीडब्ल्यू जांच समिति मुर्शिदाबाद हिंसा की जांच करेगी और एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर व्यक्तिगत रूप से हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगी और पीड़ितों से मिलेंगी। पिछले सप्ताह जिले के

कई इलाकों में नए-नए वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए।

एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि हमने इन सभी घटनाओं का संज्ञान लिया है और राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने एक जांच समिति गठित की है। मैं खुद पश्चिम बंगाल जाकर उन सभी पीड़ित महिलाओं से मिलूंगी। मैं मुर्शिदाबाद और मालदा भी जाऊंगी। वहां महिलाओं में डर और असुरक्षा का माहौल है। स्थिति को समझने के बाद आयोग इस मामले पर फैसला लेगा। हम वहां की सभी महिलाओं को न्याय दिलाने की कोशिश करेंगे।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के कुछ हिस्सों में हुई हिंसा के सिलसिले में अब तक गिरफ्तारियों की कुल संख्या 200 को पार कर गई है, राज्य पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पश्चिम बंगाल पुलिस ने बुधवार को अल्पसंख्यक बहुल मुर्शिदाबाद जिले में पिछले लगभग पूरे सप्ताह वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों के चलते हुई हिंसा और दंगे जैसी स्थिति की जांच के लिए नौ सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन की घोषणा की। एनसीडब्ल्यू ने बुधवार को हिंसा की जांच के लिए एक जांच समिति के गठन की घोषणा की।

एनसीडब्ल्यू ने कहा कि जांच समिति बनाने का फैसला आयोग द्वारा मुर्शिदाबाद जिले के धुलियान के मंदिरपारा इलाके में सांप्रदायिक अशांति के दौरान कई महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लेने के बाद लिया गया। एनसीडब्ल्यू के बयान में कहा गया है, "हिंसा के कारण सैकड़ों महिलाओं को पलायन करना पड़ा है, जिनमें से कई को सुरक्षा की तलाश में भागीरथी नदी पार करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जो पास के मालदा जिले में शरण ले रही हैं। इन महिलाओं को उनके घरों से निकाल दिया गया है, वे डर और अनिश्चितता में जी रही हैं, अकल्पनीय आघात और नुकसान का सामना कर रही हैं।"

जिनका नाम स्कैम में नहीं, नई प्रक्रिया पूरी होने तक पढ़ा सकते हैं

पश्चिम बंगाल

अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार को 31 मई तक नया भर्ती अभियान शुरू करने और 31 दिसंबर तक प्रक्रिया पूरी करने का भी निर्देश दिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा, हम वर्तमान आवेदन में प्रार्थना को स्वीकार करने के लिए इच्छुक हैं क्योंकि यह कक्षा क- और कक्षा क-क्कके सहायक शिक्षकों से संबंधित है।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि शीर्ष अदालत के आदेश के बाद अपनी नौकरी गंवाने वाले ह्यबेदागह्ल सहायक शिक्षक पढ़ाना जारी रख सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि यह फैसला छात्रों के हित में

लिया गया है। अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार को 31 मई तक नया भर्ती अभियान शुरू करने और 31 दिसंबर तक प्रक्रिया पूरी करने का भी निर्देश दिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा, हम वर्तमान आवेदन में प्रार्थना को स्वीकार करने के लिए इच्छुक हैं क्योंकि यह कक्षा क- और कक्षा क-क्कके सहायक शिक्षकों से संबंधित है।

यह आदेश केवल सहायक अध्यापकों पर लागू होगा।

दिल्ली सरकार ने बजट से जुड़ा ये आदेश लिया वापस

आप ने साधा था निशाना

नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने अप्रैल महीने में कुल बजट का सिर्फ 5 फीसदी अमाउंट खर्च करने का अपना आदेश वापस ले लिया है. 31 मार्च को दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने दिया था. इसमें कहा गया था कि अप्रैल महीने में कुल बजट का सिर्फ.5 प्रतिशत हिस्सा ही खर्च करना है. इस आदेश पर आम आदमी पार्टी ने बीजेपी सरकार पर निशाना भी साधा था.

आतिशी ने बजट को बताया था 'हवा-हवाई'

पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने उस समय इस आदेश को लेकर निशाना साधते हुए कहा था कि दिल्ली का 1 लाख करोड़ रुपये का बजट ह्लहवा-हवाईह्ल है. आतिशी ने तब यह भी आरोप लगाए थे कि अगर सिर्फ 5% खर्च करने की इजाजत है, तो सरकार पहले महीने में सिर्फ. 5,000 करोड़ रुपये खर्च कर पाएगी और साल भर में यह आंकड़ा 60,000 करोड़ से ज्यादा नहीं पहुंचेगा.

सरकार ने क्यों वापस लिया आदेश?

ऐसे में आज 17 दिन के बाद बीजेपी सरकार ने अपने 5 प्रतिशत खर्च वाले आदेश को वापस ले लिया है. सूत्रों के मुताबिक एक बड़ी वजह बीजेपी सरकार की योजनाएं है क्यूंकि सरकार ने कई योजनाओं को पूरा करने के लिए 100 दिन का लक्ष्य रख रखा है ऐसे में तेजी से काम करने के लिए कई विभागों को 5 प्रतिशत से ज्यादा पैसे की

आवश्यकता थी ऐसे में योजनाओं के कार्यान्वयन में कोई रुकावट ना आये इसलिए दिल्ली सरकार ने अपना आदेश वापस लेने का फैसला लिया है.

आतिशी ने कहा था कि 31 मार्च को दिल्ली सरकार के वित्त विभाग से जारी आदेश के अनुसार, किसी भी विभाग को अप्रैल में कुल बजट का केवल 5 प्रतिशत खर्च करने की अनुमति दी गई. इसका अर्थ यह हुआ कि अप्रैल महीने में सरकार केवल 5,000 करोड़ ही खर्च कर सकती है. इसी आधार पर पूरे साल में सरकार 60,000 करोड़ ही खर्च कर सकेगी. ऐसे में सवाल उठता है कि जब सरकार के पास खर्च करने के लिए पैसा ही नहीं है, तो 1 लाख करोड़ का बजट कैसे संभव है? उन्होंने कहा था कि बीजेपी सरकार का यह बजट विधानसभा के इतिहास का सबसे झूठा बजट है. दिल्ली सरकार ने बजट पेश करते समय 1 लाख करोड़ का दावा किया, जबकि हकीकत में यह बजट मात्र 78,000 करोड़ का ही है।

विशेष नामांकन अभियान के तहत निकाली गई जागरूकता रैली

अखंड भारत संदेश

गाजे बाजे संग जागरूकता रैली निकालते एनसीसी कैडेट्स व अन्य

रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते उपजिलाधिकारी

जसरा। विकास खंड जसरा में माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से स्कूल चलो अभियान के तहत श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज जसरा एवं राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जसरा के संयुक्त तत्वाधान में विशेष नामांकन रैली निकाली गई। कार्यक्रम का शुभारंभ उपजिलाधिकारी बारा संदीप तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया। विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स गाजे बाजे के साथ व सैकड़ों छात्रझछात्राएं नारा लगाते हुए विद्यालय से जसरा बस स्टैंड तक रैली लेकर गये । रैली को देखकर क्षेत्र के लोगों ने सरकारी संस्थानों में अपने बच्चों का नामांकन कराने में उत्साह दिखाया। रैली के समापन पर बोलते हुए श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज जसरा के प्रधानाचार्य डॉ० योगेंद्र सिंह ने कहा कि सरकारी संस्थान ही छात्रों को अच्छी शिक्षा दे सकते हैं। वहीं राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या मंजुलेष विश्वकर्मा ने कहा कि आज छात्र और छात्राएं दोनों को समान रूप से शिक्षित करने की आवश्यकता है। जिसमें सरकारी संस्थान ही अग्रणी भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर सुनील कुमार साहू, चन्द्रशेखर, कुलभूषण मिश्रा, कमलेश अवस्थी, शिल्पा यादव, अचलेंद्र जायसवाल, रामलखन प्रजापति, डा० सुनीता, रितेश प्रजापति, विकास केशरी, रेखा रानी, नीलम गुप्ता, गीतांजलीविशेष नामांकन अभियान के तहत निकाली गई जागरूकता रैली

माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से स्कूल चलो अभियान के तहत श्रीईश्वरदीन छेदीलाल ल इंटर कॉलेज जसरा और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जसरा के संयुक्त तत्वाधान में विशेष नामांकन रैली निकाली गई, जिसका शुभारंभ संदीप तिवारी उप जिलाधिकारी बारा ने हरी झंडी दिखाकर किया। गाजे बाजे के साथ सैकड़ो छात्रझछात्राएं नारा लगाते हुए विद्यालय से बस स्टैंड जसरा तक पहुंचे, रैली को देखकर क्षेत्र के लोगों ने सरकारी संस्थानों में अपने बच्चों का नामांकन करने में उत्साह दिखाया। रैली के समापन पर बोलते हुए प्रधानाचार्य डॉक्टर योगेंद्र सिंह ने कहा कि सरकारी संस्थान ही छात्रों को अच्छी शिक्षा दे सकते हैं तो वहीं राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या मंजुलेष विश्वकर्मा जी ने जी ने कहा कि आज लड़के और लड़कियां दोनों को समान रूप से शिक्षित करने की आवश्यकता है जिसमें सरकारी संस्थान ही अग्रणी भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर सुनील कुमार साहू, चन्द्रशेखर, कुलभूषण मिश्रा, कमलेश अवस्थी, शिल्पा यादव, अचलेंद्र जायसवाल, रामलखन प्रजापति, विकास केसरी,डा० सुनीता, रितेश प्रजापति, रेखा रानी, नीलम गुप्ता, गीतांजली आदि शिक्षक व शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

शिकायत के बावजूद नहीं हटी शराब की दुकान स्थानिक लोगों में रोष

सहसों। सरायइनायत थाना के पुलिस चौकी सहसों क्षेत्र के कसेरूआ कला स्थित अंग्रेजी शराब व बीयर की दुकान स्थानीय लोगों के काफी विरोध के बाद भी नहीं हट रहा है। पुलिस चौकी सहसों के पास में खुले अंग्रेजी शराब और बीयर की दुकान से स्थानीय लोग काफी आजिज आ चुके हैं। इसको लेकर लोगों के अंदर काफी नाराजगी व्याप्त है। जबकि शराब की दुकान का समय पूरा हो जाने पर लोगों को लगा कि अब यह दुकान दूसरे स्थान पर चली जाएगी। परंतु उसका नवीनीकरण हो जाने के बाद यह दुकान उसी स्थान पर फिर से खुलना शुरू हो गई। जिससे स्थानीय लवकुश सोनी, भोला सिंह, विनीत पटेल, राजेश जायसवाल, राजेंद्र जायसवाल आदि लोगों का आरोप है कि इसकी शिकायत क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, डीएम, पुलिस कमिश्नर, जिला आबकारी अधिकारी से किया गया। उसके बावजूद भी दुकान को यहां से नहीं हटाया गया। जब कि ठेके के आसपास लोगों का रिहायसी आवास व सामने शिव मंदिर भी है। जहां पर श्रद्धालु भक्तों द्वारा पूजन अर्चन भजन कीर्तन किया जाता है। जिससे लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन दारू पीकर शराबी लोग यहां पर अनाप-शनाप बकते रहते हैं। जिससे बहू बेटियों का घर से निकलना दूभर हो गया है। पूरे दिन यहां पर लोगों का मजमा लगा रहता है। नशेड़ियों द्वारा गाड़ियां आड़ी तिरछी खड़ी होने के कारण जाम की भी स्थिति बनी रहती है। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि आबकारी विभाग की मिली भगत के कारण विरोध के बावजूद दुकान को नहीं हटाया जा रहा है। जब कि वहां से थोड़ी दूर पर स्थित कुछ लोगों ने अपने आवास पर दुकान को खोलने के लिए किराए पर कमरा देने की लिखित रजामंदी भी दिया है। उस रजामंदी कागज को आबकारी विभाग में देने के बावजूद भी दुकान को नहीं हटाया जा रहा है। जिससे स्थानीय व्यक्तियों एवं राहगीरों में काफी रोष व्याप्त है।

राजा जी खजनवा दे द-रानी जी गहनवा दे द, बाजी न मजीरा ऐसे हीरा रतनवा दे द... : राजन महाराज

संगीतमय श्रीराम कथा कहते कथावाचक राजन जी महाराज

कथा सुनने को उमड़ी श्रोताओं की भारी भीड़

अखंड भारत संदेश

जंघई। पूज्य श्री मठिया महावीर हनुमान जी श्रीपुर, गड़ौरा मेला मैदान प्रांगण में आयोजित संगीतमय श्रीराम कथा में सुविख्यात कथावाचक पूज्य राजन जी महाराज के मुखारविंद से दिव्य और भव्य श्रीराम कथा का पंचम दिवस अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और भावपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। पूज्य राजन जी महाराज की सुमधुर वाणी और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से युक्त प्रवचन ने संपूर्ण श्रद्धालु जनों के हृदय को श्रीराम मय कर दिया। कथा में भगवान श्रीराम और लक्ष्मण जी के जनकपुर आगमन, नगर भ्रमण, जनकपुरी की भव्यता, सीता स्वयंवर हेतु आयोजित धनुष यज्ञ, परशुराम और लक्ष्मण संवाद, एवं अंत में भगवान श्रीराम और माता सीता के विवाह का अत्यंत सुंदर एवं भावपूर्ण वर्णन किया गया।महाराज ने जिस भाव, भक्ति और व्याख्या शैली से इन प्रसंगों को प्रस्तुत किया, उसने श्रोताओं को उस युग में ले जाकर प्रत्यक्ष दर्शन कराने जैसा अनुभव प्रदान किया। पूज्य राजन जी महाराज द्वारा गाए गए भजन इतने भावविभोर कर देने वाले थे कि संपूर्ण पंडाल जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। भजन और कथा का सम्मिलन ऐसा दिव्य वातावरण रच रहा था, मानो स्वयं देवता भी उस क्षण की अनुभूति कर रहे हों। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित हुए और अंत तक मन, वाणी और आत्मा से कथा श्रवण करते रहे। महाराज ने कहा कि राम कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, यह जीवन जीने की कला सिखाती है श्रीराम का आदर्श जीवन, उनकी मयार्दा, उनका त्याग, उनका संयम और प्रेम हमें यह सिखाता है कि धर्म क्या है, और उसका पालन कैसे किया जाए। राम कथा आत्मा की शुद्धि है, मन का उत्थान है, और कर्म की दिशा है ऐसे आयोजन केवल भक्तिभाव से नहीं, अपितु जीवन परिवर्तन के संकल्प से भी जुड़े होते हैं। इसलिए श्रीराम कथा से जुड़ें, इसे आत्मसात करें, और अपने जीवन को श्रीराममय बनाएं। कथा के छठवें दिन महाराज ने अयोध्या कांड का वर्णन करते हुए राम राज्याभिषेक की तैयारी, कैकेई मंथरा संवाद, कैकेई का कोपभवन जाना, दशरथ कैकेई संवाद, दशरथ शोक, श्रीराम कैकेई संवाद, श्रीराम दशरथ संवाद, अवध वासियों का विषाद, श्रीराम कौसल्या संवाद, सीता-राम संवाद, श्रीराम-लक्ष्मण संवाद, श्रीराम लक्ष्मण सीता का वन गमन का वर्णन किया।इस अवसर पर प्रमुख यजमान अर्पित सिंह, दिनेश पांडेय एवं सहयोगियों में रोहित चौरसिया, पंकज सिंह, ऋषभ सिंह, अखिलेश मिश्रा, दिवाकर सिंह, संजय सिंह, शिवम पांडेय, रजनीश सिंह, विकास शुक्ल, आलोक सिंह, गौरव राजपूत, सचिन सिंह सहित हजारों श्रोता मौजूद रहे।

जमीनी रंजिश को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, आधा दर्जन घायल

मऊआइमा। जमीनी रंजिश को लेकर दो पक्षो जम कर लाठी डंडो से हुई मार पीट में आधा दर्जन जख्मी हुए है।जिनका उपचार सी एच सी में चल रहा है। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षो की ओर तहरीर नही दी गई है । तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाए गा। मऊआइमा थाना क्षेत्र के बरईपुर गांव में जमीनी रंजिश को लेकर दो पक्षों में लाठी डंडों से जम कर मारा मारी हुई। बताया गया है कि एक पक्ष के प्रदीप कुमार यादव, प्रेमा देवी, चन्द्रजीत यादव तथा दूसरे पक्ष के राज कुमार यादव, लल्ली देवी, लालजी यादव को गंभीर चोटें आयी है। सभी का प्राथमिक उपचार सीएचसी में करके रिफर कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि अभी तक किसी भी पक्ष ने कोई तहरीर नहीं दी है।सभी का उपचार चल रहा है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा।

निःशुल्क नेत्र शिविर में 250 लोगों को वितरित की गई दवा

- जनसेवक राजू शुक्ला के नेतृत्व में नहवाई में आयोजित विशाल नेत्र शिविर में कुल सात सौ मरीजों को दिया गया निःशुल्क परामर्श

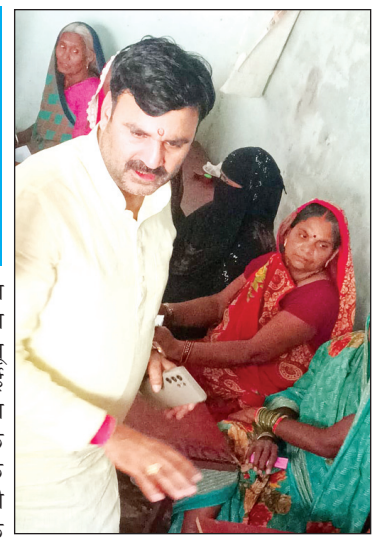

मेजा। मेजा क्षेत्र के चर्चित समाजसेवा के लिए संकल्पित जनसेवक इंद्रदेव शुक्ला (राजू भैया जी) के नेतृत्व में नहवाई में विशाल नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। उक्त आशय की जानकारी शिविर के आयोजक आशुतोष तिवारी (टिंकू) ने देते हुए बताया कि शिविर में कुल सात सौ मरीजों को कुशल चिकित्सकों द्वारा देखा गया जिसमें तीन सौ मरीजों को निःशुल्क परामर्श देते हुए 250 नेत्र रोगियों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गई। इस मौके पर अंग्रेज तिवारी,पंकज तिवारी,कृष्णकांत तिवारी,ओपी मिश्रा तथा संतोष यादव आदि के अलावा कई अन्य लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

अरवल जिला पंचायत अध्यक्ष के बेटे के साथ दबंग युवकों ने की मारपीट

- इंजीनियरिंग कर रहे छात्र का मोबाइल भी छीना

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत मेवालाल की बगिया चौराहे पर बाइक सवार युवकों ने जिला पंचायत अध्यक्ष अरवल के बेटे के साथ मारपीट कर मोबाइल छीन लिया। पीड़ित ने इसकी शिकायत नैनी पुलिस से की है। नैनी के चक रघुनाथ मोहल्ला निवासी हिमांशु रंजन पुत्र सुधीर शर्मा की पत्नी संध्या देवी बिहार में अरवल की जिला पंचायत अध्यक्ष है। हिमांशु नैनी के चक रघुनाथ मोहल्ला में रहता है और यहाँ पर वह इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है। बुधवार रात में वह मांडा स्थित एक तिलकोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गया था। मांडा से वापस घर लौटते समय नैनी मेवालाल की बगिया चौराहे पर जाम लगा हुआ था। चौराहे पर बाइक सवार दबंग युवक आड़े तिरछे बाइक लगाकर खड़े थे। हिमांशु ने बाइक सवार युवकों को साइड होने के लिए कहा तो दबंग युवक तिलमिला उठे और छोटी सी बात को लेकर वह हिमांशु से विवाद करने लगे। विवाद बढ़ने पर बाइक सवार दबंग युवक हिमांशु रंजन को कार से बाहर घसीट लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। कार में मौजूद हिमांशु रंजन के साथियों ने बीच बचाव कर उसे बचाया। पिटाई में हिमांशु को आंख और पीठ,पेट में गंभीर चोट आई है। पीड़ित ने इसकी शिकायत नैनी पुलिस से की है। पीड़ित ने बताया मारपीट के दौरान दबंग बाइक सवार युवकों ने उसका मोबाइल भी छीन लिया है वहीं दबंगों ने छात्र का सोने की जंजीर भी खींच ली, लेकिन छात्र ने झपट्टा मारते हुए अपने जंजीर को अपने पास खींच लिया। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि रात्रि में घटनाएं घटित हो जाती हैं और नाइट चौकी इंचार्ज को घटना की जानकारी तक नहीं होती है। भुक्तभोगी द्वारा घटना की जानकारी जब नैनी चौकी इंचार्ज विपिन कुमार वर्मा को दी गई तो घटना स्थल पर पहुंचकर सिर्फ खाना पूर्ति की जांच कर चले गए। जबकि वारदात की घटना की सीसीटीवी फुटेज पुलिस के पास मौजूद है। वहीं रोवर में तैनात सिपाही भी इधर उधर बैठकर मोबाइल में ध्यान लगाए रहते हैं। वहीं लोगों की मानें तो मेवालाल की बगिया नैनी का मुख्य चौराहा माना जाता है। जहां नैनी कोतवाली का एक भी सिपाही तक मौजूद नहीं रहता है। आपको बतादें कि मेवालाल की बगिया चौराहे पर हर रोज देर रात शराबियों का जमावड़ा भी लगा रहता है ऐसे में अगर नैनी चौकी इंचार्ज विपिन कुमार वर्मा का ऐसा ही रवैया रहा तो किसी न किसी दिन कोई बड़ी वारदात घट सकती है।

दलित युवक को ईंट पत्थर से किया लहुलुहान

प्रयागराज। कौंधियारा थाना क्षेत्र के खपटिहा गांव में हरिजन जाति के युवक धर्मेंद्र को गांव मे ही ससुराल में रहने वाला दबंग दिलीप उर्फ मिर्चाई बिंद और फूलचंद बिंद ने रंजिशन जातिसूचक भद्दी भद्दी गालियां देते हुए ईंट पत्थर से लहुलुहान कर घायल कर दिया शोर सुनकर लोगों ने आकर बीच-बचाव किया तो हरिजन युवक की जान बची उपरोक्त दबंगों ने पीड़ित को थाने में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दिया। जिसके बाद परिजन पीड़ित को लेकर थाने गए और प्रार्थना पत्र दिया किंतु थाना प्रभारी के थाने में मौजूद न होने का हवाला देकर पीड़ित की तहरीर नहीं लिखी गई जिसके बाद पीड़ित दर्द से कराहता रहा क्योंकि मारपीट में घायल युवक का इलाज नहीं हो सका और थाना स्थानीय द्वारा उसे सुबह थाना प्रभारी के आने पर आने को कहकर लौटा दिया गया जिससे पीड़ित के परिजनों में पुलिस की कार्यप्रणाली से खासा आक्रोश रहा ।

मनरेगा मजदूरों की नही आ रही मजदूरी ग्राम प्रधान से आए दिन हो रहा वाद विवाद

मजदूरी ने मिलने से नाराज मनरेगा मजदूर

बारा। मनरेगा में काम कर रहे मजदूरों की लगभग चार महीने से मजदूरी नही मिलने से मजदूरों का घर चलना मुश्किल हो गया है। राशन के अलावा दुख बीमारी से लेकर तमाम गृहस्थी के खर्च होते है। मजदूरी का पैसा न आने से सुबह होते ही प्रधान के दरवाजे पर मजदूर वाक युद्ध शुरू कर देते है। कितना भी समझाओ लेकिन मजदूर सुनकर भड़क जाते है। यह एक ब्लाक की कहानी नही है सभी जगह का यही हाल है कही भी मनरेगा के तहत काम कर रहे मजदूरों की मजदूरी नही आई है जिससे मजदूर परेशान है।

साथी को थाने में पुलिसवालों ने पीटा, वकीलों का हंगामा

थाने में रात से बंद था अधिवक्ता, कई वकीलों ने बैठकर दिया धरना

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज में कचहरी के वकील आदर्शन मिश्र को थाने में बैठाकर पीटने के मामले को लेकर जमकर हंगामा हुआ। यमुनापार के औद्योगिक क्षेत्र थाने पहुंचे दर्जनों वकीलों ने हंगामा कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। गुस्साए वकील थाने में धरने पर बैठ गए। उनका आरोप है कि वकील को पुलिसवालों ने इतना पीटा कि वह अधमरा हो गए। वकीलों के पहुंचने पर उन्हें थाने से हटा दिया गया। थाने के अंदर हंगामे और धरना दिए जाने से अफरातफरी मच गई। पुलिस का कहना है कि वकील को मेडिकल के लिए भेजा गया है। वकीलों ने पूरे मामले को आला अफसरों के संज्ञान में दिया है।एडीए कालोनी नैनी के रहने वाले श्याम मिश्र के बेटे आदर्श मिश्र जिला अदालत में वकालत करते हैं। रात में करीब 11 बजे वह अपनी कार से जा रहे थे। रात में ट्रकों की लाइन लगी थी। इसी बीच एक ट्रक ने उनकी कार में टक्कर मार दिया। इसके बाद आदर्श और ट्रक चालक में मारपीट हो गई। औद्योगिक क्षेत्र थाने की पुलिस पहुंची और सभी को थाने ले गई।

वकीलों का आरोप है कि ट्रक ड्राइवर से तहरीर लेकर आदर्श के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया। उन्हें थाने में बैठाकर पीटा गया। पूरी रात थाने में बंद रखा गया। इसी मामले को लेकर दोपहर में वकील थाने पहुंच गए और हंगामा कर दिया।थाने पहुंचे वकीलों में रत्नेश शुक्ला, रोहित पांडेय, राहुल पांडेय, अशीष कनौजिया, आलोक मिश्र, हर्ष शुक्ला आदि ने जमकर विरोध जताया।

धरने पर बैठे वकील

जिनेवा, स्विटजरलैंड में आयोजित सर्वश्रेष्ठ राजनयिक सम्मेलन में शामिल होंगे शुभम कुशवाहा

प्रयागराज। शोध छात्र शुभम कुशवाहा का जिनेवा, स्विटजरलैंड में आयोजित होने वाले सर्वश्रेष्ठ राजनयिक सम्मेलन में शामिल होने के लिए चुना लिए गया है। सर्वश्रेष्ठ राजनयिक सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र का एक शैक्षिक अनुकरण है जो दुनिया भर के छात्रों और युवा पेशेवरों को शामिल करता है, जिससे उन्हें संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों और इसके कामकाज के बारे में अधिक जानने में मदद मिलती है।बेस्ट डिप्लोमैट्स प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय संकट प्रबंधन का वास्तविक दुनिया का अनुकरण प्रदान करता है, जहां उन्हें जटिल परिदृश्यों से निपटना होता है जो उनकी रणनीतिक सोच और पारस्परिक कौशल का परीक्षण करते हैं। आदित्य रॉय, ओमकार तिवारी, विजय प्रजापति, पुष्पेंद्र प्रजापति, हर्षित शर्मा, शिवम यादव आदि ने शुभकामनाएं दी है।

नैनी में बस की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत आक्रोशित लोगों ने किया दो घंटे तक हाईवे जाम

अखंड भारत संदेश

महिला की मौत के बाद सड़क पर लगा भीषण जाम

आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास करती पुलिस

नैनी। नैनी कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार दोपहर में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। डांडी फुवारा चौराहा के पास रोडवेज बस ने एक बाइक सवार को दोपहर में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान घूरपुर तातारगंज की रहने वाली शिवकली के रूप में हुई। वह अपने पति शिव प्रसाद के साथ डांडी के एक निजी अस्पताल से दवा लेकर लौट रही थी। जैसे ही वे अस्पताल से बाहर निकले, रोडवेज बस ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि शिवकली सड़क पर गिर गई और उनकी मौत हो गई। हादसे में उनके पति शिव प्रसाद को कोई चोट नहीं आई। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। आक्रोशित लोगों ने रीवा हाईवे पर चक्का जाम कर दिया। वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से रुक गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा बुझाकर जाम हटवाया और शव को पीएम के लिए भेज दिया।

संदिध परिस्तिथि में फंदे पर लटकी मिली युवती

झूंसी। थाना क्षेत्र के हवेलिया में एक 22 वर्षीय युवती कमरे के अंदर फंदे पर लटकी मिली। परिजनों से शव को फंदे नीचे उतार बगैर पुलिस को सूचना दिए शव को दफना दिया। युवती की मौत को लेकर लोगो मे तरह तरह की चर्चा है।

कठौली मेजारोड ओवरब्रिज पर दो ट्रकों की आमने सामने हुई भिड़ंत, घंटों आवागमन बाधित

● सुबह तड़के ओवरब्रिज पर हुए सड़क हादसे से प्रयागराज मिजार्पुर हाइवे पर लगा भीषण जाम,पुलिस ने किया रूट डायवर्जन, जाम के झाम से मेजा पुलिस के छूटे पसीने, जानमाल का नुकसान नहीं, कई घंटे भारी मशक्कत के बाद यातायात हुआ बहल

अखंड भारत संदेश

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाता क्रेन

मेजा। कठौली मेजारोड स्थित ओवरब्रिज पर गुरुवार की सुबह दो ट्रकों में आमने सामने भिड़ंत होने से प्रयागराज-मिजार्पुर मार्ग पर कई घंटों आवागमन बाधित हो गया। हाइवे पर जाम की स्थिति को देखते हुए स्थानीय मेजारोड चौकी पुलिस ने रुट डायवर्जन कर दिया। इस दौरान मिजार्पुर की तरफ से आ रहे वाहनों को मेजारोड चौराहे से सिरसा मार्ग पर घूमा दिया गया सभी वाहनों को रेलवे अंडरब्रिज पुलिया से होकर सोरांव गांव से निकालने का प्रयास किया गया लेकिन सिरसा मार्ग पर जाने के पूर्व ही अंडरब्रिज पुलिया के पास ही वाहनों का भीषण जाम लग गया। गौरतलब है कि दो पहिया से लेकर बड़े छोटे वाहनों का जाम इस कदर लगा हुआ था कि पैदल चलना भी मुश्किल था। घंटों जाम में फंसकर राहगीर हलकान होते रहे वहीं जाम के झाम को लेकर मेजा पुलिस के पसीने छूट रहे थे। हालत को देखते हुए अंततः पुलिस को कठौली मेजारोड ओवरब्रिज के पश्चिमी छोर पर बैरिकेटिंग लगाना पड़ा। इस दौरान प्रयागराज की ओर से आ रहे सभी छोटे बड़े वाहनों को ओवरब्रिज के पहले ही रोका जा रहा था ताकि ब्रिज पर क्षतिग्रस्त हालत में खड़ी ट्रक को जेसीबी से खींच कर हटाया जा सके और आवागमन सुचार रूप से संचालित हो सके। बता दें कि कई घंटे भारी मशक्कत के बाद मेजा पुलिस प्रशासन द्वारा क्रेन मंगवाकर दोनों क्षतिग्रस्त ट्रकों को प्रयागराज-मिजार्पुर मार्ग पर कठौली मेजारोड के समीप बने ओवरब्रिज से हटवाया गया तब कहीं जाकर लोगों को जाम से मुक्ति मिली और मेजा एवं मेजारोड चौकी पुलिस ने राहत की सांस लिया। हालांकि सुबह सुबह हुए इस सड़क हादसे में कोई जान माल नुकसान नहीं हुआ है दोनों ट्रकों के चालक सुरक्षित हैं। उल्लेखनीय है कि सड़क दुर्घटना के बाद सुबह से ही सिरसा, मेजा, कोहड़ार मिजार्पुर तथा प्रयागराज मार्ग पर भीषण जाम की स्थिति बनी रही।

मेरठ के चर्चित प्रियंका दहेज हत्या में आरोपी पति बरी

● हाईकोर्ट ने पति ललित चौहान को रिहा करने का आदेश दिया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मेरठ के चर्चित प्रियंका दहेज हत्या केस के आरोपी न हो पाने के कारण आरोप से बरी कर दिया है। साथ ही कोई अन्य मामला नहीं होने पर उसे रिहा करने का निर्देश दिया है।यह आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह एवं न्यायमूर्ति डॉ गौतम चौधरी की खंडपीठ ने ललित चौहान की अपील पर वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप त्रिवेदी को सुनकर दिया है।

मामले के तथ्यों के अनुसार वर्ष 2013 में मेरठ जिले के भवानपुर थाना क्षेत्र में प्रियंका की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। घटना के बाद प्रियंका के भाई मोहित सिंह ने प्राथमिकी दर्ज कराकर बहनोइ ललित चौहान और उसके परिवारजनों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया था। ट्रायल के बाद सत्र न्यायालय ने वर्ष 2020 में आरोपी पति ललित चौहान को धारा 302 आईपीसी के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके विरुद्ध हाईकोर्ट में यह अपील की गई थी। ललित चौहान की ओर से कहा गया कि अभियोजन पक्ष के चार मुख्य गवाह मृतका के भाई, माता-पिता और बहन सभी अपने पहले दिए गए बयान से मुकर गए। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि न तो दहेज की कोई मांग की गई थी और न ही किसी प्रकार की प्रताड़ना हुई थी।इसके अलावा किसी ने हत्या को होते हुए नहीं देखा और न ही यह साबित हुआ कि घटना के समय केवल आरोपी ही घर में मौजूद था।खंडपीठ ने पाया कि अभियोजन ने परिस्थितिजन्य साक्ष्य भी पर्याप्त रूप से प्रस्तुत नहीं किए और न ही भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 106 लागू करने की उचित स्थिति बनी। इसलिए संदेह का लाभ देते हुए ललित चौहान को आरोप से दोषमुक्त कर दिया और उसे रिहा करने का आदेश दिया।

डिजिटल युग में साइबर अपराध से सुरक्षा विषयक कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण प्रकोष्ठ की ओर से बहुउद्देशीय सभागार में डिजिटल युग में साइबर अपराध से सुरक्षा विषयक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्कृत विभाग के छात्र संदीप दुबे , आदित्यराज गिरि के वैदिक मंगलाचरण से कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.अखिलेश कुमार सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि डिजिटल सूचना की समान प्रामाणिकता की जांच कर हम साइबर ठगी से बच सकते हैं। स्वयं की सतर्कता व जागरूकता ही साइबर ठगी से बचाव है। समन्वयक प्रो.आशुतोष कुमार सिंह ने स्वागत भाषण में कहा कि तकनीकी प्रयोग के साथ साथ अपने मन को नियंत्रित करना साइबर ठगी को कम कर सकता है। पीपीटी के माध्यम से आरक्षी अनमोल तथा पूजा ने साइबर सुरक्षा के अनेक सावधानियों से शिक्षकों, अधिकारियों, विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि गूगल से कस्टमर केयर का नम्बर कभी न निकालें। कोई भी ओटीपी आने पर उसको सावधानी पूर्वक पढ़ना है, बताना नहीं है। सरकारी योजना के नाम पर प्राप्त प्रलोभनों से बचना चाहिए। ओरिजनल जाब लेटर में कभी पैसे की मांग नहीं होती इसलिए फर्जी जाब पत्र के नाम पैसे के लेन देन से बचना चाहिए। मुख्य कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त ने कहा कि साइबर अपराध के अनेक रुप हैं इनको पहचानना आवश्यक है। उपनिरीक्षक प्रयागराज विनोद एवं घनश्याम ने सुरक्षा के अनेक उपाय बताए। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनीता यादव, वित्ताधिकारी शशि भूषण सिंह तोमर ने भी संबोधित किया। संयोजक डॉ. उत्कर्ष उपाध्याय ने विषय प्रवर्तन तथा डॉ. गरिमा सिंह ने संचालन किया। डॉ. प्रदीप त्रिपाठी ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर विश्वविद्यालय के शिक्षकगणों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। राष्ट्रगान के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

नए नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा ने संभाला कार्यभार, महापौर से किया मुलाकात

अखंड भारत संदेश

पदभार ग्रहण करते नए नगर आयुक्त

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम में गुरुवार को नए नगर आयुक्त सीलम साई तेजा ने पदभार ग्रहण कर लिया। तेजा 2018 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। कार्यभार संभालते ही उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों से मुलाकात की और निगम की कार्यप्रणाली की प्रारंभिक जानकारी ली।

करीब दोपहर 3 बजे तेजा नगर निगम कार्यालय पहुंचे, जहां उनके स्वागत की तैयारी पहले से की गई थी। उन्होंने अपने कार्यालय में बैठकर अपर नगर आयुक्तों और विभाग प्रमुखों से परिचय प्राप्त किया। नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि वे अगले सप्ताह एक विस्तृत बैठक आयोजित करेंगे, जिसमें विभागों की कार्यशैली को गहराई से समझा जाएगा और उसके अनुरूप कदम उठाए जाएंगे।

पदभार ग्रहण करने के बाद नगर आयुक्त तेजा ने महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी से मुलाकात की। महापौर के कीडगंज स्थित कैंप कार्यालय में हुई इस भेंट के दौरान दोनों अधिकारियों के बीच शहर के विकास से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। महापौर ने उनका पुष्पगुच्छ और शॉल भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर नगर आयुक्त ने प्रयागराज की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक पहचान को गौरव का विषय बताते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा के साथ शहर के विकास में जुटेंगे।

महापौर केसरवानी ने शहर में चल रही प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी, जिनमें प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक विश्वविद्यालय और साहित्य पार्क प्रमुख हैं। उन्होंने नगर आयुक्त से इन परियोजनाओं को प्राथमिकता देने का अनुरोध किया। नगर आयुक्त ने भरोसा दिलाया कि प्रयागराज को एक आदर्श शहर बनाने के लिए नगर निगम पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा।

कार्यभार ग्रहण के दौरान अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव, अरविंद सिंह, अम्बरीष कुमार बिंद, सहायक नगर आयुक्त सुश्री दीपशिखा पांडेय, मुख्य कर अधिकारी पीके द्विवेदी, मुख्य अभियंता अनिल मौर्या, पर्यावरण अभियंता उत्तम वर्मा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने नगर आयुक्त को आश्वस्त किया कि वे मिलकर शहर के विकास कार्यों को गति देंगे।

सीलम साईं तेजा हैदराबाद के मूल निवासी हैं और इससे पूर्व वे जौनपुर में मुख्य विकास अधिकारी और महाराजगंज में एसडीएम के रूप में कार्य कर चुके हैं। अपने प्रशासनिक करियर में उन्होंने ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

एसआईटी के सामने नहीं पहुंचीं एयरफोर्स इंजीनियर की पत्नी

3 बिंदुओं में अफसर के जीजा ने जताई हत्या की आशंका, अदालत ने खारिज की आरोपी की जमानत अर्जी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। बम्हरौली स्थित सेंट्रल एयर कमांड में गोली मारकर मौत के घाट उतारे गए सीडब्ल्यूई एसएन मिश्रा के मामले को 20 दिन बीत चुके हैं। मृतक अफसर की पत्नी और बेटा अब भी वारदात का घटनाक्रम जेहन में ताजा महसूस करते हैं। यही वजह है कि वत्सला मिश्रा एसआईटी के सामने नहीं पहुंचीं।परिवार के करीबियों के मुताबिक, आज भी प्रयागराज का जिक्र आते ही वत्सला डर और दहशत से सिहर उठती हैं। उन्हें प्रयागराज आने के नाम से डर लगने लगा है। बुधवार को वत्सला के पिता, जीजा, बहन, बेटी और उनके अधिवक्ता ने देर शाम एसआईटी प्रमुख, आईजी प्रयागराज प्रेम गौतम से मुलाकात की।

करीब 1 घंटे की मुलाकात में मृतक अफसर के जीजा और पिता ने वत्सला की मानसिक स्थिति का हवाला देते हुए सीडब्ल्यूई एसएन मिश्रा की हत्या से संबंधित 3 महत्वपूर्ण बिंदु एसआईटी अफसर के सामने रखे।पहला झ सीडब्ल्यूई एसएन मिश्रा के अधिकार क्षेत्र में आने वाले ठेकेदार, उनसे जुड़ी ठेके की फाइलें, हत्या से पहले किन-किन ठेकों या टेंडर की फाइलों को उन्होंने रोका या उन पर कार्यवाही की।

दूसरा- हत्याकांड में पुलिस द्वारा बनाए गए आरोपियों के मोबाइल फोन की सीडीआर की जांच कराई जाए। इसके अलावा, 13 मार्च को आरोपी सौरभ के साथ आए युवक की भूमिका और उसके करीबियों की पड़ताल हो।

तीसरा- कौशांबी जेल में बंद हनी गौतम से हत्याकांड से 6 माह पहले तक जेल में कौन-कौन व्यक्ति मिलने पहुंचा, इसकी जानकारी जुटाई जाए।एसआईटी प्रमुख ने परिवार से मृतक अफसर की पत्नी वत्सला मिश्रा का जल्द बयान दर्ज कराने का आग्रह किया है।

इसके अतिरिक्त, क्राइम सीन रिक्रिएशन के दौरान चश्मदीद को घटनास्थल पर रहने को कहा गया है। वहीं, आरोपी शिव कुमार ने जिला अदालत में खुद को अपराध में संलिप्त न होने का हवाला देते हुए जमानत की अर्जी दी थी।अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता के मुताबिक, अदालत ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी शिव कुमार की जमानत अर्जी खारिज कर दी। हालांकि, वह जल्द ही जिला जज की अदालत में दोबारा जमानत की कोशिश कर सकता है।

एसीपी अजेंद्र यादव के अनुसार, थाना पुलिस को निर्देशित किया गया है कि वह विवेचना की कार्यवाही के साथ-साथ अदालत में आरोपियों की जमानत पर भी नजर रखे, ताकि किसी भी हालत में आरोपी जेल से बाहर न आ सके।

चीफ वर्क्स इंजीनियर सत्येंद्र नाथ मिश्रा की हत्या 29 मार्च को लाल बिहारा के बदमाश युवक सौरभ ने घर में लूट के इरादे से घुसकर गोली मारकर की थी। वारदात के 3 दिन बाद पूरामुफ्ती पुलिस ने आरोपी समेत उसके परिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।पुलिस के खुलासे पर मृतक अफसर की पत्नी वत्सला मिश्रा ने सवाल खड़े किए और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।

हत्या के असली मकसद की तलाश और आरोपियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए 6 अप्रैल को डीजीपी प्रशांत कुमार ने आईजी प्रयागराज प्रेम गौतम के नेतृत्व में 3 सदस्यीय एसआईटी गठित की। इस एसआईटी में एडिशनल कमिश्नर डॉ. अजय पाल और एसीपी अजेंद्र यादव को शामिल किया गया।

एसआईटी को जांच करते हुए 10 दिन से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन मृतक अफसर की पत्नी वत्सला मिश्रा अब तक एसआईटी के सामने नहीं आई हैं। परिवार के करीबियों के अनुसार, वत्सला हत्याकांड के बाद से खुद को मानसिक रूप से उबार नहीं पा रही हैं।

वह प्रयागराज का नाम सुनते ही डर, दहशत और बेचैनी से कांप उठती हैं। हत्याकांड के बाद से वत्सला केवल एक बार ही प्रयागराज आई हैं।

मांडा बभनी में सात दिवसीय सनातन धर्म साप्ताहिक महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ

अखण्ड भारत सन्देश

मांडा। क्षेत्र के बभनी गंगा घाट पर मां गंगा के पूजन एवं गंगा घाट पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर के पूजन के साथ सात दिवसीय सनातन धर्म महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ रविशंकर पाण्डेय द्वारा किया गया ' गुरुवार प्रथम दिन मां गंगा की पूजन एवं भगवान शंकर के पूजन के साथ मां गंगा घाट उक्त बस्ती में हरि कीर्तन प्रारंभ हुआ ' कार्यक्रम के आयोजक एवं गौ रक्षा मंडल प्रभारी नीरज कुमार द्विवेदी ने बताया कि यह कार्यक्रम एक सप्ताह चलेगा और 24 अप्रैल को इसका समापन किया जाएगा जिसमें संगठन द्वारा चयनित ब्लॉक मांडा, मेजा के गंगा सेवा में लगे गंगा पुत्रों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में आचार्य प्रवेश कुमार द्विवेदी, संजय कुमार, विनोद कुमार द्विवेदी, अरुण कुमार द्विवेदी, प्रदीप कुमार तिवारी, जगदीश यादव, लव कुश पटवा, राजेश कुमार, कमलेश कुमार विनय आदि उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त कार्मिकों के लम्बित देयकों के निस्तारण में लापरवाही पर होगी कठोर कार्रवाई : डीएम

मेगा कैम्प में पंचायती राज, स्वास्थ्य विभाग एवं बेसिक शिक्षा विभाग के लम्बित प्रकरण पर नाराज हुये डीएम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सेवारत तथा पेंशनरों को अधिकारियों और कर्मचारियों का चक्कर न लगाना पड़े इसके लिये जनपद में आज नई पहल प्रारम्भ हुई और जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जनपद के सेवारत्धसेवानिवृत्त कार्मिकों की सेवा से सम्बन्धित प्रकरणों के निस्तारण हेतु मेगा कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, अवकाश, चिकित्सीय अवकाश, चिकित्सीय देयक, वेतन वृद्धि, प्रोन्ति, पेंशन एवं अन्य लम्बित देयकों की सुनवाई जनपद के सम्बन्धित अधिकारियों की उपस्थित में की गयी। डीएम के मेगा कैम्प की नई पहल रंग लायी और सेवानिवृत्त कर्मचारियों में लम्बित प्रकरणों का जल्द निस्तारण होने से कर्मचारियों में खुशी की झलक देखी गयी। मेगा कैम्प के दौरान 26 कर्मचारियों ने अपनी-अपनी विभिन्न समस्याओं के सम्बन्ध अवगत कराया गया जिसमें पाया गया कि कई कार्मिकों के प्रकरण काफी वर्षो से लम्बित है जिन पर अब तक कोई भी कार्यवाही नही की गयी, डीएम ने सभी की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये कि 15 दिवस के अन्दर कार्मिकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता

बैठक की अध्यक्षता करते जिलाधिकारी

के आधार पर किया जाये, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही एवं उदासीनता कदापि न बरती जाये, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित अधिकारीध्पटल सहायक के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। उन्होने अधिकारियोंध्पटल सहायकों को निर्देशित किया कि कार्मिकों के देयकों का भुगतान समय से करें यदि बजट नहीं है तो उसकी मांग की जाये, बेवजह किसी भी कार्मिक बार-बार दौड़ाया कदापि न जाये। अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि पटल सहायकोंध्बाबूओं द्वारा यदि सेवानिवृत्त कार्मिकों के देयकों के प्रकरणों को लम्बित रखा गया है तो उनका उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुये कठोर कार्रवाई की जायेगी। मेगा कैम्प के दौरान पंचायती राज विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं बेसिक शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त कार्मिकां के देयकों के प्रकरण लम्बित मिलने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जतायी और सम्बन्धित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये कि कार्मिकों के देयकों के प्रकरण को लम्बित कदापि न रखें और 15 दिवस के अंदर अनिवार्य रूप से निस्तारण कराकर संबंधित को अवगत कराना सुनिश्चित करें अन्यथा निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों के देयको का प्रकरण लंबित पाए जाने पर संबंधित का उत्तरदायित्व निर्धारित कर कठोर अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। मेगा कैम्प के दौरान बेसिक शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त कार्मिक भगवत प्रसाद शुक्ला, सेवानिवृत्त राजस्व निरीक्षक हरिलाल वर्मा, सेवानिवृत्त राजस्व निरीक्षक कल्पनाथ त्रिपाठी, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग के सेवानिवृत्त जूनियर इंजीनियर राम निहोरे, स्वास्थ्य विभाग की सेवानिवृत्त स्वास्थ्य निरीक्षक कैलाशी, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक सुभाष चन्द्र त्रिपाठी व सेवानिवृत्त कार्मिक लालमति पाण्डेय, पंचायती राज विभाग के सेवानिवृत्त कार्मिक रामधन सरोज व सरयू प्रसाद मिश्रा, पशुपालन विभाग के सेवानिवृत्त वेटनरी फार्मासिस्ट सन्त प्रसाद आदि कार्मिकों द्वारा विभिन्न लम्बित देयकों के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, वरिष्ठ कोषाधिकारी अनामिका सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकान्त दर्वे सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व पटल सहायक उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

भगवान की कृपा भक्तों पर हमेशा रहती है : नरेंद्र कृष्ण त्रिपाठी

बेलखरनाथ धाम। भगवान अपने भक्तों पर हमेशा कृपा करते हैं तथा भक्तों का भगवान से जुड़ने मात्र से ही उसका कल्याण हो जाता है।भगवान भक्त के सुख को अपना सुख तथा उसके दुःख को अपना दुःख मानते हैं। यह बातें बिबियाकरनपुर डेंगुरपुर गांव में डा हरिवंश प्रताप सिंह के संयोजन में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में गुरुवार को कथा व्यास पं नरेंद्र कृष्ण त्रिपाठी जी महाराज ने कही। उन्होंने कहा कि रावण के भाई विभीषण राम भक्त थे भक्त विभीषण के कारण ही मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम रावण के अत्याचार को तब तक सहन करते रहे और रावण की गलतियों को कई बार माफ किया कि उसका भाई विभीषण उनके साथ था। विभीषण जैसे रामभक्त के कारण ही रावण पर कोई विपत्ति नहीं आई, जैसे ही रावण ने विभीषण को लात मारकर लंका से निकाल दिया रावण के बुरे दिन आ गए और श्रीराम ने रावण का वध कर दिया। श्री कृष्ण गोविन्द हरे मुरारी हे नाथ नारायण वासुदेवा के संकीर्तन के साथ कथा को विराम दिया गया। उक्त अवसर पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी, रविवंश प्रताप सिंह,दारा सिंह, रामचंद्र सिंह, बबलू शुक्ल, कमलेश सिंह, पिंटू सरोज सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जीवन में संकट के हरणकर्ता हैं भगवान श्रीकृष्ण : पं0 राघवरामानुजदास

प्रतापगढ़। नगर के विद्या मंदिर मार्ग पर हो रही श्रीमदभागवत कथा में कथाव्यास आचार्य पं. राघव रामानुजदास जी ने बताया कि भगवान ही जीवन में संकट के सच्चे साथी हैं। उन्होनें कहा कि जो व्यक्ति निर्मल भाव से भगवान के प्रति समर्पित रहता है। जब जब भी संकट आया करता है भगवान भक्त के संकट को स्वयं हर लिया करते हैं। कथाव्यास पं. राघव रामानुजदास जी ने कहा कि भगवान अर्न्तयामी है और सर्वव्यापक हैं। उन्होनें कहा कि जीवन का यह भ्रम है कि भगवान से छिपाकर कोई काम किया जा सकता है। उन्होनें बताया कि भगवान मनुष्य के मन के अंदर उठने वाली प्रत्येक क्रिया संकल्प और विचार के भी नित्य साक्षी हैं। उन्होने बताया कि प्रभु भक्त के परमहितैषी और कल्याण के पथ प्रदर्शक है। उन्होने कहा कि जिसे भगवान की शक्ति पर विश्वास हुआ करता है वह समस्त पाप तापों से व अशान्ति से, पीड़ा से मुक्त होकर सुखी जीवन व्यतीत किया करता है। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की आराधना के भजन सुनकर भी श्रद्धालु मंत्रमुग्ध दिखे। कथा के संयोजक पं. शिवकृपाल शुक्ल व सावित्री ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। सह संयोजक रामकृष्ण शुक्ल व श्रीकृष्ण शुक्ल ने श्रद्धालुओ का टीका अभिषेक किया। इस मौके पर पूर्व प्राचार्य दयाशंकर पाण्डेय, डा0 पुरूषोत्तम शुक्ल, रामअवध त्रिपाठी, संजय तिवारी, राजेश पाण्डेय, आचार्य विनोद त्रिपाठी, शास्त्री सौरभ, रजनीश मिश्र, रीता मिश्रा, राजमती त्रिपाठी, दिव्या आदि रहे।

घायलों को उपचार के लिए भेजा गया लखनऊ, मृतक अशोक का हुआ पीएम

प्रतापगढ़। उदयपुर थाना क्षेत्र के भंवरी सराय गांव में मंगलवार की रात गैस सिलेण्डर के रिसाव से हुए धमाके मे मृतक अशोक का स्वरूपरानी मेडिकल कालेज मे गुरूवार को पीएम कराया गया। देर शाम तक मृतक का शव घर पहुंचने की संभावना है। वही गैस रिसाव से झुलसे सभी अन्य सात घायलों को इलाज के लिए स्वरूपरानी मेडिकल कालेज से लखनऊ किंग जार्ज मेडिकल कालेज रेफर किया गया है। गुरूवार को भी लखनऊ मेडिकल कालेज में अशोक के पुत्र सनी व विजय की पुत्री रियांशी की स्थिति गंभीर बनी हुई बतायी गयी है। दोनों गंभीर बच्चो को मेडिकल कालेज के क्रिटिकल वार्ड में इलाज जारी है। इधर तहसील प्रशासन ने दैवीय आपदा के तहत मृतक अशोक की पत्नी रेनू तथा विजय को त्वरित सहायता के तहत मकान क्षति में पैंसठ पैंसठ सौ रुपए तथा ढाई ढाई हजार कपड़े हेतु व ढाई ढाई हजार बर्तन आदि के प्रबन्ध के लिए दिया गया है। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने बताया कि मृतक अशोक को चार लाख की अहेतुक सहायता के लिए भी शासन के लिए डीएम के माध्यम से संस्तुति की जाएगी। वही घटना मे झुलसे रेनू, रवि, किशन, गीता, प्रिया को लखनऊ मेडिकल कालेज के वार्ड में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। इधर गुरूवार को भी गांव में मातम भरा सन्नाटा देखा गया।

पट्टी क्षेत्र में बर्फ की कालाबाजारी जोरों पर

अखंड भारत संदेश

पट्टी। इन दिनों पट्टी इलाके में बर्फ की कालाबाजारी जोरों पर चल रही है। दुकानदार मनमाना रेट वसूल कर ग्राहकों को लूट रहे हैं। सूत्रों की मानें तो बर्फ का एक ब्लॉक जिला मुख्यालय से खरीद रेट प्रति ब्लॉक 400 रुपए प्रति ब्लॉक मिलता है। जबकि 100 रुपए किराया प्रति ब्लॉक जोड़ा जाए तो महज 500 रुपए की एक ब्लॉक बर्फ पड़ती है। लेकिन पट्टी कस्बे में कुछ बर्फ विक्रेता चार गुना दाम पर बर्फ की बिक्री कर ग्राहकों को लूट रहे हैं। बता दें एक ब्लॉक बर्फ का वजन एक कुंटल 20 किलो होता है लेकिन बर्फ के ब्लॉक का दो टुकड़ा करके महज 60 किलोग्राम बर्फ को सिल्ली बता कर बेंचा जा रहा है और ग्राहकों को लूटा जा रहा है।

सन्तोषजनक खरीद न करने वाले केन्द्र प्रभारियों एवं नोडल को दी गयी चेतावनी

सहकारिता विभाग की योजनाओं व कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। विकास भवन के सहकारिता अनुभाग में सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता देवेन्द्र बर्मन की अध्यक्षता में विभागीय योजनाओं/ कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता द्वारा गेहूँ खरीद की केन्द्रवार समीक्षा की गयी तथा सन्तोषजनक खरीद न करने वाले केन्द्र प्रभारियों एवं सम्बन्धित नोडल को कड़ी चेतावनी देते हुये निर्देशित किया गया कि क्षेत्रीय किसानों से डोर टू डोर सम्पर्क कर गेहूँ खरीद करना सुनिश्चित करें, साथ ही सम्पर्क पंजिका बनाकर प्रतिदिन न्यूनतम 10 किसानों से गेहूँ खरीद करना सुनिश्चित करें। जिला प्रबन्धक पीसीएफ को निर्देशित किया गया कि अवशेष धान का सीएमआर एफसीआई को सम्प्रदानित कराना सुनिश्चित करें। क्षेत्रीय प्रतिनिधि इफको को निर्देशित किया गया कि नैनो यूरियाध्नैनो डीएपी को व्यापक प्रचार प्रसार करते हुये जनपद स्तरीय तथा विकास खण्डवार रोस्टर तैयार कर कार्यशाला/ गोष्ठी का आयोजन किया जाये जिसमें क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों को आमंत्रित कर नैनो उर्वरकों के प्रयोग हेतु प्रोत्साहित किया जाये तथा यथा सम्भव ड्रोन द्वारा नैनो उर्वरकों के प्रयोग का प्रदर्शन किया जाये। सभी सहायक विकास अधिकारी (सह0), अपर जिला सहकारी अधिकारी/तहसील प्रभारी को निर्देशित किया गया कि पैक्स कम्प्यूटराईजेशन के कार्य को 30 अप्रैल 2025 से पूर्व पूर्ण कर लिया जाये। साथ ही समितियों के नये सदस्यों की ऋण सीमा स्वीकृत कराकर शासन द्वारा निर्धारित दर पर ऋण वितरण किया जाये तथा अपने कार्य क्षेत्र में गतिशील रहकर सहकारिता की योजनाओं/ कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार प्रसार आम जनमानस तक पहुँचाना सुनिश्चित करें तथा सभी वर्गो को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित कराना सुनिश्चित करें। बैठक में समस्त सहायक विकास अधिकारी (सह0), अपर जिला सहकारी अधिकारी/ तहसील प्रभारी, जिला प्रबन्धक पीसीएफ एवं पीसीयू तथा क्षेत्रीय प्रबन्धक इफको के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे।

अधिकारियों के साथ समीक्षा करते हुए

कार चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने लगाया जाम

सीओ के आश्वासन पर तीन घंटे बाद सांगीपुर लालगंज मार्ग पर यातायात हुआ बहाल

अखंड भारत संदेश

लालगंज। दुर्घटना में पति पत्नी की मौत को लेकर परिजनों में पीएम रिपोर्ट तथा कार चालक की गिरफ्तारी न होने को लेकर आक्रोश पनप उठा। नाराज परिजनों ने ग्रामीणो के साथ पति पत्नी का शव हाइवे पर रखकर जाम लगा दिया। सांगीपुर लालगंज हाइवे के देउम चैराहे पर सुबह नौ बजे दम्पती का शव रखकर परिजनों के साथ ग्रामीण भी धरने पर बैठ गये। मार्ग जाम की सूचना पाते ही सांगीपुर एसओ मनीष त्रिपाठी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। परिजन एसओ की कुछ भी सुनने को तैयार न दिखे तब लालगंज सीओ रामसूरत सोनकर मौके पर पहुंचे। सीओ के आश्वासन पर करीब सवा तीन घंटे बाद जाम समाप्त हो सका। सांगीपुर थाना के देउम पश्चिम निवासी कमलेश रजक मंगलवार की शाम पत्नी शिवपती देवी

सड़क जाम कर रहे आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने का प्रयास करती पुलिस

के साथ बाइक से बेटे की तिलक का सामान खरीदने बाजार निकले थे। गड़हा गांव के पास कार की टक्कर से पति पत्नी की मौत हो गयी। बुधवार की शाम पीएम के बाद दम्पती का शव घर पहुंचा तब परिजनो मे कोहराम मच गया। गुरूवार की सुबह परिजनो मे पीएम रिपोर्ट को लेकर आशंका उत्पन्न हो गयी। परिजनो ने आशंका जतायी कि पीएम रिपोर्ट में तारीख का हेरफेर है। वहीं कार चालक का पुलिस ने मेडिकल नही कराया। परिजनो में इस बात का भी गुस्सा था कि घटना को लेकर दर्ज मुकदमे की एफआईआर की कापी भी उन्हें नही दी गयी। एसओ मनीष त्रिपाठी के समझाने बुझाने पर भी परिजनो का असंतोष दूर नही हुआ। जानकारी मिलने पर सीओ रामसूरत सोनकर मौके पर पहुंचे। सीओ के समझाने बुझाने पर सुबह करीब सवा दस बजे परिजनो ने जाम समाप्त किया। इसके बाद परिजन दम्पती के शव को लेकर अंतिम संस्कार को निकले। करीब तीन घंटे तक लालगंज सांगीपुर मार्ग पर यातायात बाधित दिखा।

झुलसे घायलों की मदद के लिए विधायक मोना ने सीएम को लिखा पत्र

लालगंज। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने रामपुरखास विधानसभा क्षेत्र के भंवरी सराय गांव में गैस रिसाव से हुई दुर्घटना में प्रभावित परिवारो को शासन से सहायता के लिए गुरूवार को मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। विधायक आराधना मिश्रा मोना ने सीएम योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में आग्रह किया है कि मृतक अशोक तथा विजय को जीविकोपार्जन के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से अधिकाधिक आर्थिक सहायता प्रदान की जाय। विधायक आराधना मिश्रा मोना ने रिसाव के चलते झुलसे मासूमो सहित सभी घायलों को बेहतर से बेहतर पूर्णरूप से निशुल्क सरकारी चिकित्सा के भी प्रबन्ध सुनिश्चित कराए जाने का भी पत्र में अनुरोध किया है। वही उन्होनें दोनों घरों के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में इन्हें प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किये जाने का भी अनुरोध किया है। विधायक मोना ने मृतक अशोक के निराश्रित परिजनों को शासकीय मानक के अनुरूप चार लाख की अहेतुक सहायता तत्काल प्रदान किये जाने का भी अनुरोध किया है। इधर विधायक मोना के द्वारा लखनऊ में भर्ती सभी घायलों के चिकित्सीय प्रबन्ध की भी स्वयं देखरेख किये जाने की जानकारी भी यहां मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने दी है।

दिव्यांगजन दुकान निर्माण, दुकान संचालन योजना का उठायें लाभ

प्रतापगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी मनीष कुमार मिश्रा ने दिव्यांगजनों को सूचित किया है कि दुकान निर्माण, दुकान संचालन योजना के अन्तर्गत दुकान निर्माण, क्रय पात्र लाभार्थी को वित्तीय सहायता के रूप में 20 हजार की धनराशि स्वीकृत की जाती है जिसमें रुपए 15 हजार की धनराशि 4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर पर ऋण के रूप में तथा रुपए 5 हजार की धनराशि अनुदान के रूप में दी जाती है, दुकान संचालन हेतु दुकान न्यूनतम 5 वर्ष के लिये किराये लिये जाने हेतु एवं खोखाध्गुमटीध्हाथ ठेला क्रय हेतु पात्र लाभार्थी को वित्तीय सहायता के रूप में रुपए 10 हजार की धनराशि स्वीकृत की जाती है जिसमें रुपए 7500 की धनराशि 4 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज की दर पर ऋण के रूप में तथा रुपए 2500 की धनराशि अनुदान के रूप में प्रदान की जाती है। उन्होने पात्रता के सम्बन्ध में बताया है कि ऐसे दिव्यांग जो 40 प्रतिशत या इससे अधिक की दिव्यांगता से प्रभावित हो एवं उ0प्र0 के मूल निवासी हो, जिनकी वार्षिक आय समय पर शासन द्वारा गरीबी रेखा के लिये निर्धारित आयु सीमा के दो गुने से अधिक न हो, जिनकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक किन्तु 60 वर्ष से अधिक न हो, जो किसी आपराधिक अथवा आर्थिक मामलों में सजा न पाये हो तथा जिनके विरूद्ध किसी प्रकार की सरकारी धनराशि देय न हो, जिनके पास दुकान निर्माण हेतु स्वयं की 110 वर्गफीट भूमि हो या अपने संस्त्रोतो से उक्त क्षेत्रफल की भूमि खरीदने /लेने में असमर्थ हो। ऐसे दिव्यांग व्यक्ति को जो विभाग द्वारा संचालित कार्यशाला से प्रशिक्षित हो अथवा आईटीआई/पालीटेक्निक या किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से किसी व्यवसाय में प्रशिक्षण प्राप्त/ डिप्लोमा प्रमाण पत्र धारी है और उसी क्षेत्र में व्यवसाय कराना चाहता है उसे वरीयता दी जायेगी। दिव्यांग पुनर्वासन हेतु दुकान निर्माण/दुकान संचालन योजना के अन्तर्गत इच्छुक दिव्यांगजन दुकान निर्माण/दुकान संचालन हेतु वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन कर सकते है। आनलाइन फार्म भरते समय आवेदक को दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला नवीनतम फोटो, आयु प्रमाण पत्र जिसमें जन्म तिथि का अंकन हो, सक्षम प्राधिकारी के स्तर से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्र, राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित खाता तथा आधार कार्ड की छायाप्रति को स्वप्रमाणित कर आवेदन पत्र के साथ आनलाइन पर वेबसाइट पर अपलोड करना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिये जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है।

निजी भूमि में मत्स्य पालन करने वाले 62 मत्स्य पालकों को मिलेगा लाभ

प्रतापगढ़। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण विकास कुमार दीपांकर ने बताया है कि मत्स्य विभाग में संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत विभिन्न परियोजनाओं में निजी भूमि में मत्स्य पालन करने वाले इच्छुक आवेदक के लिये विभागीय पोर्टल पर आनलाईन आवेदन करने हेतु 01 फरवरी से 28 फरवरी तक खोला गया था, इस अवधि में कुल 84 आवेदन प्राप्त हुये थे जिसके चयन हेतु जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक में कुल प्राप्त 84 आवेदनों में 62 आवेदनों को चयन तथा 22 आवेदनों को मानक के अनुसार अभिलेख विभागीय पोर्टल पर अपलोड न करने एवं कार्यालय में भी उपलब्ध न कराने के कारण अस्वीकृत किया गया। 62 आवेदकों को इस योजना के माध्यम से लाभ प्रदान किया जायेगा जिससे इनके आय में वृद्धि होगी।

जमीनी विवाद में युवक ने किया आत्महत्या का प्रयास

पट्टी। तहसील क्षेत्र के नगर पंचायत ढकवा पूरा प्रथम वार्ड नंबर एक के निवासी सतीश जायसवाल पुत्र हजारी जायसवाल ने बताया कि उसने 2 बिस्वा जमीन सात लाख रुपए में तय की। बातचीत के बाद 16अगस्त 2021 को बैनामा लिखा लिया। परंतु जब दाखिल खारिज के लिए फाइल लगाया तो पता चला की जमीन बंधक है। इसकी जब जानकारी ली गई तो पता चला विक्रेता सुरेश सिंह द्वारा विक्रय भूमि पर 13 अगस्त 2021 को बैंक से ऋण लिया गया। जिसके एवज में बैनामे की जमीन को भी बंधक बना दिया गया। उनके द्वारा खारिज दाखिल में भी आपत्ति लगा दी गई।मुझसे और पैसे की मांग की जाने लगी। जबकि बैनामा कराते समय उनको पूरा पैसा चेक द्वारा उनके खाते में ट्रांसफर किया गया है। इस संबंध में कई बार थाना आसपुर देवसरा, संपूर्ण समाधान तहसील दिवस, थाना दिवस व पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ से न्याय की गुहार लगा चुका है। जमीनी विवाद के ही कारण गुरुवार को दिन में करीब 4 बजे रोहित जायसवाल द्वारा घर के दूसरे मंजिल से आत्महत्या का प्रयास किया गया। यह तो भगवान का शुक्र है मौके पर क्षेत्र वासियों के प्रयास से मेरे रोहित जायसवाल को बचाया लिया गया । सूचना पर ढकवा चैकी प्रभारी राजन बिंद मय फोर्स के साथ पहुंचे। पीड़ित को थाने ले गए। इस संबंध में जब गुरुवार की शाम थानाध्यक्ष धीरेंद्र ठाकुर से बात की गई तो उन्होंने बताया इस संबंध में एक मुकदमा संबंधित न्यायालय में चल रहा है। थाने पर भी मुकदमा पंजीकृत कर आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक सम्पन्न

प्रतापगढ़। डीएम शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक कैम्प कार्यालय के सभागार में संपन्न हुई जिसमें खेल से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक में जिम ट्रेनर विक्रम प्रताप सिंह की सेवा विस्तार तथा तनख्वाह बढ़ाने पर चर्चा हुई और प्रोत्साहन समिति के क्यूआर कोड बनवाने पर विचार हुआ। विभिन्न विभागों के विभाग अध्यक्षों से खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति के खाते में सहयोग धनराशि बढ़ाने व स्टेडियम परिसर में सीसीटीवी कैमरा लगवाने पर विचार किया गया। डीएम ने खेल प्रोत्साहन समिति के मेंबरशिप लेने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए उसका प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया। संयुक्त राष्ट्र की टिकट बनवाने, रसीद छपवाने व इंटर स्कूल खेलों की प्रतियोगिताएं करने पर भी विचार किया गया। डीएम ने स्टेडियम परिसर में वृहद वृक्षारोपण के तहत अशोक के वृक्षों का वृक्षारोपण करने पर विशेष बल दिया।

ग्रामीण क्षेत्रों में पाईप लाईन बिछाते समय क्षतिग्रस्त मार्गो को अविलम्ब मरम्मत कराया जाय : सीडीओ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यो की समीक्षा विकास भवन में की गयी। निमार्णाधीन पाईप्ड पेयजल योजनाओं की समीक्षा के दौरान सीडीओ ने निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पाईपलाईन बिछाते समय क्षतिग्रस्त मार्गो को अविलम्ब मरम्मत कराया जाय जिससे जनसामान्य का आवागमन सुचारू रूप से हो सके। इसके अतिरिक्त पूर्ण पेयजल योजनाओं में नियमानुसार जलापूर्ति सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिये गये। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत आईएसए द्वारा कराये गये कार्यो के सन्दर्भ में योजना के प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये।

निमार्णाधीन पाईप्ड पेयजल योजनाओं की समीक्षा के दौरान निर्देश देतीं सीडीओ

समीक्षा के दौरान अधिशासी सहायक अभियन्ता हिमांशु क्वार्डिनेटर एवं आईएसए प्रतिनिधि अभियन्ता जलनिगम तौसीफ अहमद, केसरवानी, डीपीएमयू आई0एस0ए0 उपस्थित रहे।

डीएम ने आईजीआरएस शिकायत के निस्तारण का किया भौतिक सत्यापन

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी द्वारा आज तहसील मंझनपुर में प्राप्त आनलाइन आईजीआरएस सदर्भों को फीडबैक/भौतिक सत्यापन एवं माह फरवरी 2025 के पाचॅ बडें बैनामो का स्थलीय निरीक्षण कर जॉच की गयी। उप जिलाधिकारी मंझनपुर व राजस्व निरीक्षक तथा लेखपाल व शिकायतकर्ता की उपस्थिति मे आईजीआरएस संदर्भ सं0 20017425001397 शिकायकर्ता राजकुमार आदि निवासी ग्राम सेसा परगना करारी तहसील मंझनपुर के द्वारा ग्राम पंचायत की खुली बैठक कराकर पात्र व्यक्तियो को पट्टा आवंटित करने तथा लेखपाल द्वारा धन उगाही के सम्बन्ध मे की गयी शिकायत की स्थलीय जांच करने पर तहसील मंझनपुर द्वारा किया गया निस्तारण सही पाया गया प्रश्नगत ग्राम में पट्टा आवंटन हेतु खुली बैठक का आयोजित की गयी थी किन्तु आवंटन की कार्यवाही नही हुई ग्रामीणो के अनुसार कृषि आवंटन पट्टा में धाधली व धन उगाही की शिकायत असत्य एवं निराधार पायी गयी। उक्त के अतिरिक्त जिलाधिकारी द्वारा आई०जी०आर०एस० संदर्भ सं0-20017425002076 शिकायतकर्ता गोमती देवी पत्नी कल्लू निवासी वर्तमान ग्राम प्रधान बनीखास विकास खण्ड सरसवा के द्वारा किये जा रहे आर0आर0सी0 सेन्टर के निर्माण कार्य रूकवाने के सम्बन्ध में शिकायत की गयी थी जिस पर जिलाधिकारी द्वारा मौके पर जाकर निरीक्षण किया और किये जा रहे आर०आर०सी० सेन्टर के निर्माण को ग्राम सभा के दूसरे स्थान पर चिन्हाकित कराते हुये निर्माण कार्य करने हेतु मौके पर उपस्थित ग्राम पंचायत अधिकारी तथा क्षेत्रीय लेखपाल को निर्देशित किया गया। उक्त के अतिरिक्त जिलाधिकारी के द्वारा ग्राम में साफ सफाई व ग्राम सभा सम्पत्ति की रजिस्टर्ड तथा ग्राम स्थित तालाबो में पानी भरवाने के भी निर्देश दिये।

बारात में गए युवक की नाले में मिली लाश

कड़ा कौशांबी। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के थुलगुला गांव निवासी अखिलेश कुमार उम्र 25 वर्ष पुत्र अमर सिंह बुधवार की शाम गांव के पड़ोसी की बारात में शामिल होकर चतरीपुर गए थे लेकिन बारात वापस घर पहुंच गई और अखिलेश घर नहीं पहुंच सके हैं जिससे परिवार के लोग परेशान हो गए हैं खोजबीन के बाद मालूम चला कि सैनी कोतवाली के पहाड़पुर कोदन गांव के पास हाईवे किनारे बने नाले में खून से लथपथ हालत में अखिलेश का शव पड़ा हुआ है सूचना पर पहुंची सैनी कोतवाली पुलिस ने मामले की सूचना परिवार के लोगों को दी घटना की जानकारी मिलते ही परिवार और गांव के लोग घटना स्थल पर पहुंच गए हैं पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है मृतक के शव के पास से मोबाइल और पर्स पुलिस ने बरामद किया है युवक की मौत कैसे हुई है इस पर लोग चचाएं कर रहे हैं।

न्यूज झरोखा

जनसुनवाई के दौरान भारवारी की छात्रा को डीएम ने दिया टैबलेट

भरवारी कौशाम्बी जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने गुरुवार को कार्यालय कक्ष में जन सुनवाई के दौरान हुबलाल इण्टरमीडिएट कालेज भारवारी में कक्षा- 11 की छात्रा गरिमा रामपुर सुहेला ने प्रर्थना प्रत्र देकर अवगत कराया कि मेरे घर में चोरी हो गयी थी, जिससे पढाई करने में असुविधा हो रही है न तो मेरे पास मोबाइल है और न लैपटाप है जिस पर जिलाधिकारी ने छात्रा गरिमा को पढाई करने के लिए टैबलेट दिया और जो शासन से अनुमन्य व्यवस्था है उसको उपलब्ध कराया गया।

बहुजन समाज पार्टी नेता का निधन

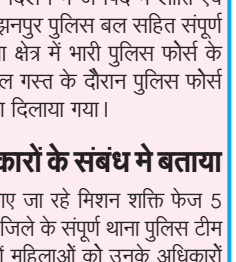

हररायपुर कौशांबी बहुजन समाज पार्टी नेता महेंद्र गौतम का लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया है वह पूर्व में जिला पंचायत सदस्य भी रह चुके हैं मूल रूप से मूरतगंज क्षेत्र के पठान पुरवा निवासी महेंद्र गौतम लंबे समय से बहुजन समाज पार्टी के राजनीति में सक्रिय थे लेकिन लीवर की बीमारी के चलते इधर वह परेशान थे महेंद्र गौतम के निधन के बाद परिवार में कोहराम मचा है और उनके समर्थक उनके घर दुख ब्यक्त करने पहुंचे रहे है।

तेज रफ्तार कंटेनर ने पीछे से ईरिक्शा में मारी टक्कर चालक घायल

कोखराज कौशाम्बी। संदीपनघाट थाना क्षेत्र के मूरतगंज रघुनाथ पुर निवासी अनिल रैदास उम्र 50 वर्ष पुत्र पन्ना लाल ईरिक्शा चालक है गुरुवार को ई रिक्शा लेकर वह अपने घर जा रहा था जैसे ही वह कोखराज थाना क्षेत्र के प्रयागराज ढाबा के पास पहुँचा तेज रफ्तार कन्टेनर ने पीछे से ई रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दिया जिससे ई-रिक्शा चालक घायल हो गया है और ई रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया है दुर्घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई है मौके में पहुँच कर पुलिस ने कंटेनर चालक जगतार सिंह को और ट्रक को पकड़ लिया और गम्भीर घायल ई रिक्शा चालक को इलाज के लिए मूरतगंज अस्पताल में डायल 108 एम्बुलेंस की मदद से भर्ती कराया है जबकि पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

संपूर्ण जिले की थाना पुलिस ने किया पैदल गश्त

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव के निर्देशन में जनपद में शांति एवं सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु थाना मंझनपुर पुलिस बल सहित संपूर्ण जिले के थाना पुलिस बल द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में भारी पुलिस फोर्स के साथ थाना क्षेत्र में पैदल गश्त किया गया तथा पैदल गस्त के दौरान पुलिस फोर्स द्वारा आमजनमानस से वार्ता कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया।

बालिकाओं महिलाओं को उनके अधिकारों के संबंध मे बताया

कौशाम्बी। नारी सुरक्षा स्वावलंबन की दिशा में चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5 अभियान के तहत थाना महेवाघाट पुलिस टीम सहित जिले के संपूर्ण थाना पुलिस टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में भ्रमण कर बालिकाओं महिलाओं को उनके अधिकारों के संबंध मे बताया गया तथा महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी उन्हें दी गई।

आबकारी अधिनियम का अभियुक्त अर्थ दंड से दंडित

कौशाम्बी आवकारी अधिनियम के अभियुक्त राजेश केवट पुत्र रामखेलावन निवासी कोशम इनाम थाना कौशांबी के मुकदमे की सुनवाई करते हुए अदालत में अभियुक्त को अपराध का दोषी पाया और अभियुक्त को 1,000/- रुपये के अर्थदंड की सजा से दंडित किया है 7 वर्ष पहले शराब के कारोबार में अभियुक्त के विरुद्ध कौशांबी थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था और अभियुक्त को सजा दिलाने में प्रभावी पैरवी की है

दहेज हत्या का अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी थाना चरवा पुलिस टीम द्वारा दहेज हत्या के वांछित अभियुक्त राजकरण कोरी पुत्र रामसुमेर निवासी मलाक नागर थाना चरवा को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात थाना पुलिस ने दहेज हत्या के आरोपी को न्यायालय भेज दिया है जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है।

वारंटी अभियुक्त किया गिरफ्तार

कौशाम्बी थाना चरवा पुलिस टीम द्वारा वारंटी अभियुक्त प्रतीक चंद्र पांडे पुत्र राकेश पांडे निवासी सझिया थाना चरवा को गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात थाना पुलिस ने वारंटी को अदालत में पेश किया है परीक्षा के दौरान नकल करने के आरोप में आरोपी पर मुकदमा दर्ज हुआ था।

वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी थाना संदीपनघाट पुलिस टीम द्वारा वारंटी अभियुक्त बृजेश पुत्र सुखलाल निवासी कयामुद्दीन पुर थाना संदीपनघाट को गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात थाना पुलिस ने वारंटी अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर दिया है।

मामूली बात को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, चार घायल

अखंड भारत संदेश

कड़ा कौशाम्बी। जनपद के थाना मोहब्बत पुर पइंसा के अंतर्गत अफजलपुर वारी मे मामूली बात को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हुआ है हमले में चार लोग घायल है जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

जानकारी के मुताबिका फैजान उम्र लगभग 15 वर्ष आटा लेने के लिए घर से जा रहा था,नजदीक ही रास्ते में बिजली के खम्भे के पास चारपाई बिछा कर पंचम, पुन्नू बैठे थे,फैजान ने चारपाई हटाने को कहा तो बाइक सवार फैजान को पंचम गाली गलौज करने लगा,तभी फैजान ने विरोध किया तो पंचम और पुन्नू ने मिलकर फैजान को मारने लगे तभी फैजान के घर वाले अरशद,सबरा बीच बचाव करने पहुंचे तो उनके ऊपर आस पास के घरों से ईंट पत्थर से हमला कर दिए धीरे धीरे मामला खूनी संघर्ष में बदल गया और मौके पर लगभग 2 दर्जन लोगों ने धावा बोल दिया जिसमें विकलांग बुजुर्ग बखरीदी शाह और विकलांग कल्लो बुजुर्ग महिला को भी जमकर मारा पीटा,तत्काल घटना स्थल पर थाना मोहब्बत पुर पइंसा के थाना प्रभारी रोशन लाल अपने भारी पुलिस बाल के साथ मौके पर पहुँच कर दोनों पक्ष के दर्जन भर से ज्यादा लोगों को उठा कर ले गए, थाना प्रभारी का कहना है की इस पर जो भी कानूनी कारवाही है वह की जाएगी, घटना स्थल पर भारी पुलिस बल मौजूद है, शांति व्यवस्था कायम है हमले में बुजुर्ग बखरीदी शाह विकलांग अरशद लड़का साबरा बहु कल्लो बुजुर्ग घायल है।

नाबालिंग से दुष्कर्मी को तीन वर्ष की सजा

कौशाम्बी। सराय अकिल थाना क्षेत्र में चार वर्ष पहले नाबालिंग से दुष्कर्म के मुकदमे की सुनवाई करते हुए अदालत ने दुष्कर्मी को तीन वर्ष की सजा सुनाई है पुलिस ने प्रभावी पैरवी करते हुए पॉक्सो एक्ट के अभियुक्त नितिन कुमार पुत्र प्रेमचंद दिवाकर निवासी हाशिमपुर किनार थाना सराय अकिल को कठोर दंड दिए जाने की सिफारिश की थी वर्ष 2020 में थाना में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी के विरुद्ध आरोप पत्र अदालत में दलित किया था मुकदमे की सुनवाई के दौरान आरोपी पर दोष सिद्ध हुआ और अदालत ने दुष्कर्मी को 03 वर्ष के कठोर करावास तथा 6,000/- रुपये के अर्थदंड की सजा से दंडित किया है।

दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना कोखराज पुलिस टीम द्वारा दुष्कर्म के वांछित अभियुक्त सुरेश कुमार पुत्र राम अवतार निवासी गौसपुर थाना संदीपन घाट को बालिहावा मोड़ मूरतगंज से गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात आरोपी को पुलिस ने न्यायालय भेज दिया है।

फरवरी 2025 के पाचॅ बडें बैनामो के दो विक्रय विलेखों का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

कौशाम्बी। जिलाधिकारी द्वारा बैनामा विलेखों का सत्यापन शासन के निदेर्शानुसार जनपद के विभिन्न उपनिबन्धक कार्यालयों में पंजीकृत होने वाले विक्रय विलेखों में सबसे बड़े मूल्य के विक्रय विलेख में से दो विकय विलेखों का सत्यापन जिलाधिकारी द्वारा सहायक महानिरीक्षक निबन्धन के साथ किया गया। जिसमें से विलेख संख्या - 767/2025 पंजीकृत दिनांक 11.02.2025 विक्रीत गाटा संख्या-440 मि0 रक्बा 0.114हे0 में से अपने हिस्से 0.0230हे0 यानी 230 वर्गमीटर व्यवसायिक भवन/ आवासीय भवन स्थित सम्पत्ति मौजा-सेसा ग्रामीण) परगना करारी तहसील मंझनपुर जनपद कौशाम्बी में वर्णित सम्पत्ति का स्थलीय निरीक्षण किया। व्यवसायिक/आवासीय भवन का मूल्यांकन सही न पाये जाने के कारण सर्किल दर सूची के अनुसार विभागीय अधिकारियों से गणना कराने पर विलेख में स्टाम्प शुल्क एवं निबन्धन शुल्क के रूप में 52810-00 रू० का प्रथम दृष्टया राजस्व कमी पायी गयी व विलेख संख्या-1255/2025 पंजीकृत दिनांक 28.02.2025 विक्रीत गाटा संख्या-101 रक्बा 0.460हे0 में से हिस्से 0.0900हे0 कृषि भूमि स्थित सम्पत्ति मौजा- मोहनपुर चम्पहा (विकासशील क्षेत्र), परगना अथरवन तहसील मंझनपुर जनपद कौशाम्बी का भी स्थलीय निरीक्षण किया गया जिसमें पेट्रोल पम्प संचालित पाया गया मूल्यांकन सही न पाये जाने के कारण सर्किल दर सूची के अनुसार विभागीय अधिकारियों से गणना कराने पर विलेख में स्टाम्प शुल्क एवं निबन्धन शुल्क के रूप में 101210-00 रू० का प्रथम दृष्टया राजस्व कमी पायी गयी। स्टाम्प अधिनियम के सुसंगत प्राविधानों के अधीन स्टाम्पवाद दर्ज कर कमी स्टाम्प शुल्क वसूली हेतु कार्यवाही प्रारम्भ करने के लिए सहायक आयुक्त स्टाम्प को निर्देशित किया गया।

दुर्घटना के मामले में उजागर हो रहा है चौकी पुलिस का निर्दयता पूर्ण चेहरा

अखंड भारत संदेश

घायल का इलाज कराने और लापरवाही करने वाले को दंडित करने के बजाय कुछ रुपए के लालच में समझौते पर उतारू रहती है चौकी पुलिस

कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के हररायपुर पुलिस चौकी इंचार्ज का निर्दयता पूर्वक घिनौना चेहरा उजागर हो रहा है दुर्घटना के बाद पुलिस घायलों को इलाज कराने के लिए अस्पताल नहीं भेजती है बल्कि घायलों का दोष बता कर उन्हें चौकी पुलिस हिरासत में ले लेती है और दुर्घटना करने वाले वाहन चालकों को भी अपने हिरासत में लेकर धन वसूली में जुट जाती है जिससे दुर्घटना के बाद घायल चौकी में बैठे रोते कराहते रहते हैं उनके शरीर से खून बहता रहता है लेकिन चौकी पुलिस की निर्दयता कम नहीं होती है दूसरे की पीड़ा इन्हें महसूस नहीं होती है दोषी वाहन चालकों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार करने के बजाय चौकी पुलिस समझौते में ज्यादा उतावली दिखाई पड़ती है जब तक घायल व्यक्ति समझौता पत्र नहीं लिख देता है तब तक चौकी पुलिस घायल को भी अस्पताल नहीं जाने देती है पीड़ा से परेशान घायल व्यक्ति मजबूर होकर चौकी पुलिस की बात मान लेता है और समझौता लिख देता है समझौता लिखने के बाद चौकी पुलिस दुर्घटना करने वाले वाहन को छोड़ देती है और उससे रकम वसूल लेती है चौकी पुलिस का निर्दयतापूर्ण चेहरा इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है इसी तरह का एक मामला 12 अप्रैल की दोपहर में चौकी क्षेत्र में देखने को मिला है। प्रयागराज जनपद के गऊ घाट निवासी लकी मंझनपुर में एक निमंत्रण में शामिल होने जा रहे थे जैसे ही वह हर्रायपुर पुलिस चौकी क्षेत्र में पहुंचे अचानक उल्टी दिशा से ऑटो चालक ने तीव्रगति से वाहन चलाते हुए सड़क पर दूसरी दिशा में वाहन मोड़ दिया जिससे स्कूटी सवार लकी स्थिति को संभाल नहीं सका और तेजगति से आते हुए ऑटो चालक ने स्कूटी में टक्कर मार दी जिससे स्कूटी सवार सड़क पर गिर पड़ा कई जगह चोट लग गयी और घायल हो गया मामले की सूचना चौकी पुलिस को मिली तो घायलों को अस्पताल भेजने के बजाय चौकी पुलिस ने ऑटो चालक और स्कूटी चालक दोनों को पकड़कर चौकी ले गई कई घंटे तक दोनों को अपने कैद में रक्खे रहे मामले की शिकायत संदीपन घाट थानेदार से भी हुई उन्होंने भी चौकी इंचार्ज को निर्देशित किया क्षेत्र के कुछ पत्रकार भी मौके पर पहुंच गए घायल के रिश्तेदार भी मौके पर पहुंचे लेकिन चौकी पुलिस ने अपने समझौते के जिद को नहीं छोड़ा शरीर से बहते खून और पीड़ा से कराह रहे स्कूटी सवार ने मजबूर होकर के चौकी पुलिस की नाजायज बात मान ली और समझौता पत्र लिख दिया है समझौता लिखने के बाद जब स्कूटी सवार बाहर आया तो उसने इलाज कराया है दुर्घटना में स्कूटी का बंपर मेड़गाड और आगे की हेडलाइट सहित कई सामान टूट गया है स्कूटी सवार के वापस लौटते ही दुर्घटना करने वाले वाहन चालक को वाहन समेत पुलिस ने छोड़ दिया और मोटी रकम ले ली है सवाल उठता है कि दुर्घटना के मामले में चौकी पुलिस का इतना निर्दयता पूर्ण चेहरा पूरी पुलिस वर्दी को शर्मसार कर रहा है पुलिस अफसर मानवता का पाठ पढ़ाते हैं लेकिन चौकी इंचार्ज पीड़ा दर्द कराह में भी नहीं पसीजते हैं आखिर पुलिस वर्दी कलंकित करके धन वसूली में जुटे चौकी इंचार्ज के कारनामे को अफसर संज्ञान लेकर इन्हें दंडित करेंगे या फिर इसी तरह घायलों के पीड़ा पर यह वसूली करके मालामाल होते रहेंगे न्याय प्रिय व्यवस्था पर यह सवाल खड़े हो रहे हैं।

बड़ बोलेपन के आदी जिला पंचायत अध्यक्ष के पति अपने लोगों की गद्दारी का हुए शिकार

शीर्ष नेतृत्व के बारे में टिप्पणी करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष पति का वीडियो वायरल

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। हमेशा से लंबी चौड़ी बात करने वाले पूर्व ब्लॉक प्रमुख जितेंद्र सोनकर की पत्नी कल्पना सोनकर इन दिनों जिला पंचायत अध्यक्ष है जितेंद्र सोनकर हमेशा से बड़बोले पन के शिकार रहे हैं और इसी बड़ बोलेपन का फायदा लोग उठाते हैं पहले भी इनके ऑडियो वीडियो वायरल हो चुके हैं इन दिनों फिर एक वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें भाजपा शीर्ष नेतृत्व के बारे में भी तमाम तरह की बातें जिला पंचायत अध्यक्ष के पति कर रहे हैं जिसे शीर्ष नेतृत्व कतई बर्दाश्त नहीं कर सकता है इनके द्वारा मीटिंग रैली के नाम पर खर्च किए जाने वाले हिसाब की भी चर्चा ऑडियो वीडियो में की गई है लेकिन सवाल उठता है कि जितेंद्र सोनकर ने जिससे वार्ता की होगी वह इनका कोई खसम खास रहा होगा अपना खासमखास समझकर इन्होंने उससे अपने दिल की भड़ास निकाली होगी इनके साथ गद्दारी करके इनका वीडियो बनाने वाला वह गद्दार कौन है जिसने उनकी गोपनीय बातों की वीडियो बना कर के वायरल कर दी है हाला कि शीर्ष नेतृत्व के प्रति बन्द कमरे में भी ऊल जुलूल की बात करना गंभीर विषय है और एक जिम्मेदार व्यक्ति के पति होने के नाते इन्हें ऊल जुलूल की बातें शोभा नहीं देती हैं लेकिन उससे भी गंभीर विषय यह है कि बंद कमरे में अपनों के साथ बात करके अपने दिल की पीड़ा बयां करने वाले जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रति जितेंद्र सोनकर की वीडियो छिपकर किसने बनाई है गद्दारी करने वाला वह शख्स कौन है।

डीएम ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय इच्छू का पूरा का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने कल देर सांय काल विकास खण्ड कौशाम्बी के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय इच्छू का पूरा का किया निरीक्षण। निरीक्षण के दौरान बबिता त्रिपाठी, फुल टाइम टीचर अवकाश पर थीं। इसके अतिरिक्त शीला देवी वार्डेन, अनीता देवी, पार्ट टाइम टीचर, तीनों रसोइयां, राजकुमार, चौकीदार सहित सभी स्टाफ उपस्थित रहे। निरीक्षण के समय बच्चे रात्रि का भोजन कर चुके थे। निरीक्षण के समय विद्यालय में नामांकित 100 के सापेक्ष 65 बालिकाएं उपस्थित पायी गयीं। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा भोजन की गुणवत्ता को परखने के उद्देश्य से किचेन का निरीक्षण किया गया, किचेन की साफ-सफाई के बारे में रसोइयों से बात की और पूछा गया कि रसोई का साफ-सफाई कौन करता है, रसोइयों द्वारा बताया गया कि स्वयं हम लोग भोजन के बर्तन एवं रसोई की साफ-सफाई करते हैं। इस पर जिलाधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए वेरी गुड कहा गया। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय में अवस्थित 13 कमरों में बारी-बारी जाकर निरीक्षण किया गया और छात्राओं से बात-चीत कर छात्राओं से पूछा गया कि आप क्या पढ़ रहे हो अधिकतर बालिकाएं हिन्दी की किताब पढ़ती हुई पायी गयीं तो जिलाधिकारी ने कहा कि अंग्रेजी की किताब निकालो मैं, पढ़ाता हूँ। इस अवसर पर अपने-अपने कमरों में बालिकाएं पढ़ती हुई पायी गयी। इसके अतिरिक्त छात्राओं से जिलाधिकारी द्वारा भोजन के बारे में पूछा गया कि समय से गुणवत्तापूर्ण भोजन मिलता है कि नहीं इस पर छात्राओं ने बताया कि समय से अच्छा भोजन खाने को मिलता है। विद्यालय में निरीक्षण के समय जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय की वार्डेन, शीला देवी से पूछा गया कि विद्यालय में कितने स्टाफ हैं? वार्डेन द्वारा बताया गया कि विद्यालय में 01 फुल टाइम टीचर, 01 पार्ट टाइम टीचर कार्यरत हैं, इसके अलावा परिषदीय विद्यालय से अर्चना गुप्ता एवं कमलेश सिंह सहायक अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय इच्छू का पूरा को विद्यालय में शिक्षण कार्य हेतु सम्बद्ध किया गया है।

डीएम ने उच्च प्राथमिक विद्यालय वा उचित दर विक्रेता की दुकान का किया निरीक्षण

कौशाम्बी। जिलाधिकारी द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय फरीदनपुर का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान प्रधानाध्यपक को शिक्षक अभिभावक गोष्ठी कर स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत अधिक से अधिक नये नामांकनो तथा विद्यालय में पुस्तक यूनिफार्म जूते, मोजे समय से बच्चो को उपलब्ध कराने तथा शासन की मंशा के अनुरूप मि-डे मील योजना के क्रियान्वन पर बल दिया गया, निरीक्षण के दौरान छात्र उपस्थिति कम पाये जाने पर उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के समय विद्यालय में कार्यरत कुल 07 शिक्षक-शिक्षिकाओं के सापेक्ष प्र०अ० शहाना परवीन, स०अ० अरिमर्दन सिंह, राजेन्द्र प्रसाद, बुद्धिराज सिंह एवं सर्वेन्द्र कुमार निगम तथा शिक्षामित्र सुमित्रा देवी व बुधराम सहित सभी उपस्थित पाये गये। निरीक्षण के समय विद्यालय में नामांकित कुल 150 बच्चों के सापेक्ष मात्र 80 बच्चे उपस्थित पाये गये। छात्र उपस्थिति कम पाये जाने पर जिलाधिकारी द्वारा पूछा गया कि छात्रों की उपस्थिति कम क्यों है,उस पर प्रधानाध्यापक द्वारा बताया गया कि गेंहूं की कटाई के कारण अभिभावकों द्वारा बच्चों को नहीं भेजा जा रहा है। तत्पश्चात प्रधानाध्यापक सहित सभी अध्यापकों को निर्देशित किया कि घर-घर जाकर बच्चों को बुलाया जाय एवं छात्र उपस्थिति में वृद्धि लायी जाय तथा नवीन नामांकन कराये जाने हेतु विशेष प्रयास किया जाय। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि अभिभावकों को पी०टी०एम० के माध्यम से बच्चों को स्कूल भेजने हेतु प्रेरित किया जाय। निरीक्षण के समय सभी शिक्षक अपने-अपने कक्षा-कक्ष में शिक्षण कार्य करते हुए पाये गये। इस पर जिलाधिकारी द्वारा टैबलेट पर छात्रों की उपस्थिति को देखा गया उसके बाद माह मार्च 2025 की उपस्थिति दिखाने हेतु शिक्षक से कहा गया तो शिक्षक द्वारा टैबलेट पर उपस्थिति का अवलोकन कराया गया। निरीक्षण के समय विद्यालय में एम०डी०एम० के अन्तर्गत भोजन मीनू के अनुसार बन रहा था, जिसकी गुणवत्ता को जिलाधिकारी द्वारा परखा गया। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि रोड का विद्यालय है। अतः विद्यालय के समयावधि में बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षा की दृष्टि से विद्यालय का गेट बन्द करके रखा जाय। इसके अतिरिक्त निरीक्षण में विद्यालय की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था किये जाने एवं बच्चों को गुणवत्ता शिक्षा तथा एम०डी०एम० में गुणवत्तापूर्ण मीनू के अनुसार भोजन दिये जाने के निर्देश दिये गये। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने उचित दर विक्रेता ग्राम बनीखास कोटेदार अरविन्द त्रिपाठी के सरकारी दुकान का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी द्वारा मौके पर वितरण रजिस्टर व स्टाक रजिस्टर तथा ई-पास मशीन व कॉटा का भी निरीक्षण किया जिसमें संतोष जनक स्थिति पायी गयी।

सम्पादकीय

गुजरात से बड़ी लड़ाई का संकेत देते राहुल

पिछले माह यानी मार्च में, तत्पश्चात मात्र 6 दिन पहले कांग्रेस की अहमदाबाद में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी आये ही थे, मंगलवार-बुधवार को वे फिर से गुजरात में थे। वे आये थे एक ऐसे राज्य की पार्टी इकाई में प्राण फूंकने पहुंचे जो पिछले साढ़े तीन दशकों से सत्ता से बाहर है। यहां पार्टी का केवल एक सांसद है तथा सिर्फ 17 विधायक हैं।

दरअसल कार्यकताओं में जोश भरने के साथ-साथ राहुल गांधी जमीनी स्तर तक पार्टी का रूप-रंग बदलते दिखाई दे रहे हैं। राज्य के चुनाव अभी दूर हैं (2027 में होंगे) लेकिन संगठन की जो नयी कार्यप्रणाली यहां राहुल विकसित कर रहे हैं, वह अन्य सूबों में भी लागू हो सकती है। होनी ही चाहिये। पिछले दौरे पर राहुल ने पार्टी नेताओं और कार्यकताओं से मैराथन मुलाकातें की थीं। उसके बाद कार्यकताओं को दिये सम्बोधन में उन्होंने भितरघात करने वाले कांग्रेसियों को साफ कर दिया था कि 'वे भारतीय जनता पार्टी की बी-टीम बनकर काम करने की बजाय संगठन से बाहर चले जायें।' इस बात को उन्होंने इस दौरे में दोहराया है। उन्होंने पिछली बार गुजरात में ही कहा था कि 'पार्टी से कुछ ऐसे लोगों को निकाल बाहर करने की जरूरत है जो भारतीय जनता पार्टी से मिले हुए हैं।' साफ है कि उनकी यह चेतावनी गुजरात के नेताओं तक सीमित न होकर सभी राज्य इकाइयों के लिये अलार्म होगी। मंगलवार को अहमदाबाद कांग्रेस कार्यालय में उन्होंने जिला अध्यक्षों तथा पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की थी जिसमें 5 सदस्यों की एक टीम बनाई गई जो 45 दिनों में आलाकमान को जमीनी रिपोर्ट देगी। इसके बाद नये जिलाध्यक्ष नियुक्त होंगे। इसका मानदण्ड उनकी सक्रियता, पार्टी के प्रति निष्ठा एवं दृढ़ वैचारिक प्रतिबद्धता होगी। बुधवार को राहुल ने मोडासा जिले के अरावल्ली में 'संगठन सृजन अभियान' की शुरूआत की जिसका उद्देश्य जिला कांग्रेस समितियों और उनके अध्यक्षों को सशक्त और जवाबदेह बनाना है। इस नई प्रणाली से पार्टी के संगठन को मजबूती मिलने की आशा है। याद हो कि अहमदाबाद सीडब्ल्यूसी में राहुल ने कहा था कि जिला अध्यक्ष ही संगठन की नींव बनें। वे ही पार्टी की मुख्य ताकत होने चाहिये। जिला कमेटी और जिला अध्यक्ष को शीर्ष नेतृत्व पार्टी की बुनियाद बना रहा है। पार्टी इकाई ने अधिवेशन के बाद गुजरात के 33 जिलों और 8 प्रमुख शहरों के अध्यक्षों की नियुक्ति हेतु 42 केंद्रीय और 183 प्रदेश स्तर के पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। उन्होंने इस बात को दोहराया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को हराने की ताकत केवल कांग्रेस में है; और जीत का रास्ता गुजरात से होकर जाता है। बुधवार की बैठक में राहुल ने कहा कि, 'देश में चल रही लड़ाई सिर्फ राजनीतिक नहीं वरन भाजपा-संघ और कांग्रेस के बीच विचारधाराओं की लड़ाई भी है। उन्होंने याद दिलाया कि 'गुजरात ने ही पार्टी को दो सबसे बड़े नेता- महात्मा गांधी और सरदार पटेल दिए हैं परन्तु हमें लंबे समय से गुजरात में नाकामी मिल रही है।' राहुल का यह बतलाना कि कई सूत्रों से उन्हें जानकारी मिली है कि वरिष्ठ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा रचनात्मक नहीं बल्कि विनाशकारी है।

दिल्ली विश्वविद्यालय में गोबर विमर्श

- सर्वमित्रा सुरजन

परंपरा और संस्कृति के नाम पर भरा जा रहा है, जो हर किस्म की चेतना से घबराते हैं, नए विचारों से दूर भागते हैं। अभी हाल में दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्राचार्या ने कमरे की दीवारों पर गोबर लीपा ताकि ठंडक बनी रहे। जबकि इस कॉलेज की छात्राओं की शौचालय, पुस्तकालय, स्वच्छ पेयजल, कैंटीन या अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर जो मांगें हैं, उसके समाधान की कोशिशें नहीं की जा रही हैं।

ऐसा लग रहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी दुनिया को अपने कदमों में झुकाने की हसरत पाले दूसरी बार सत्ता में आए हैं। जिस लोकतंत्र पर अमेरिका की जनता को इतना अभिमान रहा है, उसकी धज्जियां उड़ाने में ट्रंप कोई कसर नहीं छोड़ रहे। पाकिस्तानी शायरा फहमीदा रियाज याद आती है-

तुम बिल्कुल हम जैसे निकले,
अब तक कहां छुपे थे भाई।
वो मूरखता वो घामड़-पन,
जिस में हम ने सदी गंवाई।
आखिर पहुंची द्वार तुहारे,
अरे बधाई बहुत बधाई।।

फहमीदा रियाज ने ये नज्म भारत और पाक में लोगों की एक जैसी सोच पर लिखी थी, लेकिन फिलहाल अमेरिका से हर बात में तुलना करने को आतुर भारतीय ये सोचकर खुश हो सकते हैं, जो हाल हमारे यहां लोकतंत्र का हो रहा है, वही अमेरिका में नजर आ रहा है। हालांकि वहां हार्वर्ड विश्वविद्यालय जैसी मजबूती लोकतंत्र के भविष्य को भी मजबूत करने के संकेत देती है। भारतीय विश्वविद्यालय इस मामले में कमजोर साबित हो रहे हैं। उनकी प्रतिष्ठा राजनीति का औजार बन कर खत्म होती जा रही है और समाज इस मामले में लगभग बेजार दिख रहा है। बस लक्ष्मीबाई कॉलेज में प्राचार्य कक्ष में गोबर लीपने जैसी कुछ घटनाएं बता रही है कि अभी पोंगापंथ के आगे वैज्ञानिक नजरिए ने पूरी तरह से घुटने नहीं टेके हैं।

डोनाल्ड ट्रंप अपने कई फैसलों को लेकर विवादों में रहे और उनके पूर्ववर्ती जो बाइडेन ने कह भी दिया कि सौ दिनों में काफी विनाशकारी फैसले ट्रंप ने लिए हैं। नए टैरिफ को लेकर पूरी दुनिया से अदावत, रूस-यूक्रेन के बीच मध्यस्थता के नाम पर अपनी टांग अड़ाना, प्रवासी नागरिकों के लिए नियमों को कठिन करना, ऐसे कई फैसले ट्रंप ने लिए जिससे उनकी मजबूती साबित हो। ट्रंप ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय को भी अपने आगे झुकाने के लिए दांव चला और अपनी मांगों की एक सूची विश्वविद्यालय को भेजी, जिसमें कहा गया कि-

अमेरिकी मूल्यों के मुखालफत करने वाले छात्रों की सूचना सरकार को दी जाए

यह सुनिश्चित किया जाए कि हर शैक्षणिक विभाग का दृष्टिकोण विविधतापूर्ण हो

यूनिवर्सिटी के विभागों का ऑडिट करने के लिए सरकारी मान्यता प्राप्त बाहरी कंपनी को नियुक्त किया जाए

यहूदी विरोधी उत्पीड़न को सबसे अधिक बढ़ावा देने वाले विभागों की सूचना दी जाए

पिछले दो वर्षों में परिसर में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुए 'उल्लंघनों' के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए

विश्वविद्यालय की 'विविधता, समानता और समावेशन' की नीतियों और कार्यक्रमों को खत्म किया जाए।

ट्रंप प्रशासन की इन मांगों को पूरा करने पर ही हार्वर्ड विश्वविद्यालय को संघीय अनुदान मिलना जारी रहता। लेकिन विश्वविद्यालय ने अपनी स्वतंत्रता या अपने संवैधानिक अधिकारों को नहीं छोड़ने का ऐलान करते हुए इन मांगों को मानने से इंकार कर दिया। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने साफ कर दिया कि व्हाइट हाउस उस पर नियंत्रण की तैयारी कर रहा है, इसलिए वह इन मांगों को नहीं मानेगा। इस तनातनी का परिणाम ये निकला कि ट्रंप प्रशासन ने करीब 2 अरब अमेरिकी डॉलर का वित्तीय अनुदान रोक दिया है।

इतनी बड़ी रकम से वंचित रहने पर विवि के कामकाज और प्रबंधन पर तात्कालिक असर तो पड़ेगा, लेकिन कम से कम भविष्य के लिए न झुकने का रास्ता तैयार हो चुका है। इस फैसले ने साबित कर दिया है कि क्यों हार्वर्ड दुनिया के नामचीन

विश्वविद्यालयों में शुमार होता है, और ये भी समझ आ रहा है कि क्यों ट्रंप को इससे दिक्कतें हो रही हैं। आखिर मोदीजी को भी तो इसी तरह जेएनयू, एएमयू जैसे शिक्षा संस्थानों से दिक्कतें हुईं। वैसे अपनी हीनभावना की ग्रंथि के इलाज के लिए श्री मोदी एक बार हार्वर्ड को भी निशाने पर ले चुके हैं। याद कीजिए किस तरह नोटबंदी के फैसले पर डॉ.मनमोहन सिंह ने इसके दुष्परिणामों का अनुमान लगाया था तो मोदी ने कहा था कि बड़े विद्वान, कुछ हार्वर्ड से, कुछ ऑक्सफोर्ड से...कुछ ने कहा कि जीडीपी में 2 प्रतिशत की गिरावट आएगी, अन्य ने कहा कि (नोटबंदी के बाद) 4 प्रतिशत की गिरावट आएगी...लेकिन देश ने देखा है कि हार्वर्ड के लोग क्या सोचते हैं और कड़ी मेहनत करने वाले लोग क्या सोचते हैं।'

वहीं इससे पहले 2014 में भी नरेन्द्र मोदी ने यूपीए सरकार की अर्थव्यवस्था को लेकर कहा था कि 'वित्त मंत्री हार्वर्ड से हैं। प्रधानमंत्री अर्थशास्त्री हैं और उनके पास भी एक बडे विश्वविद्यालय की डिग्री है। मेरे पास हार्ड वर्क (कठोर परिश्रम) है। हार्वर्ड जाने का कोई मतलब नहीं है। जो मायने रखता है, वह कठोर परिश्रम है। जो साधारण से स्कूल में पढ़ा हो, चाय बेची हो और हार्वर्ड के दरवाजे तक न देखे हो, उस एक आदमी ने दिखा दिया कि अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए क्या करना चाहिए।'

इस किस्म के बड़बोलेपन का कोई इलाज नहीं है, हालांकि अब देश देख रहा है कि बेतुके शब्दाडंबर करने का नुकसान देश को हुआ और आज तक अर्थव्यवस्था डांवाडोल है। वैसे 2017 में जब नरेन्द्र मोदी ने हार्वर्ड पर टिप्पणी की थी तो उस वक्त हार्वर्ड के छात्र प्रतीक कंवल ने बाकायदा चिठ्ठी लिखकर कहा था कि 'भारत जैसे विविधतापूर्ण देश को विकसित करने के लिए, आपको ऐसे लोगों की मदद की आवश्यकता होगी जो अलग दृष्टिकोण लेकर आएं। अर्थशास्त्रियों और विश्वसनीय शैक्षणिक संस्थानों का मजाक उड़ाना हमें दुनिया से अलग-थलग कर देगा।'

पता नहीं उस चिठ्ठी का मर्म नरेन्द्र मोदी ने समझा या नहीं, लेकिन 2017 से 2025 तक हमने देश के शैक्षणिक संस्थानों में सिलसिलेवार गिरावट ही देखी है। 2016 में जेएनयू प्रसंग को अब भी भाजपा विपक्ष को निशाने पर लेने के लिए इस्तेमाल करती है और टुकड़े-टुकड़े गैंग जैसे शब्द उसके शब्दकोष में स्थायी जगह बना चुके हैं। शैक्षणिक संस्थाओं में दकियानूसी, कट्टर और रुढ़िवादी सोच के शिक्षकों को परंपरा और संस्कृति के नाम पर भरा जा रहा है, जो हर किस्म की चेतना से घबराते हैं, नए विचारों से दूर भागते हैं। अभी हाल में दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्राचार्या ने कमरे की दीवारों पर गोबर लीपा ताकि ठंडक बनी रहे।

जबकि इस कॉलेज की छात्राओं की शौचालय, पुस्तकालय, स्वच्छ पेयजल, कैंटीन या अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर जो मांगें हैं, उसके समाधान की कोशिशें नहीं की जा रही हैं। कक्षा की दीवार पर गोबर लीप कर प्राचार्या महोदया ने निश्चित ही भाजपा के सामने अपने अंकों को बढ़ाने की कोशिश की, हालांकि दिल्ली विवि छात्रसंघ के अध्यक्ष रौनक खत्री ने इसका तुरंत ही सही प्रतिवाद किया। पहले रौनक खत्री ने ऐलान किया था कि वे भी अब गोबर लीपने प्राचार्या के कक्ष में आएंगे और वहां के एसी को छात्रों के लिए दे देंगे और अगले दिन रौनक खत्री बाकायदा गोबर लेकर पहुंच भी गए। उनके आने से पहले प्राचार्या महोदया तो कहीं चली गई, लेकिन अन्य शिक्षिका ने उन्हें रोकने की पूरी कोशिश की, मगर वे सफल नहीं हुईं। रौनक खत्री ने इस दौरान कॉलेज की छात्राओं से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना भी।

छात्रसंघ अध्यक्ष का यह विरोध सामयिक और सटीक है, क्योंकि अगर मुंहजबानी प्राचार्या के कृत्य का विरोध किया जाता तो उसका असर नजर नहीं आता, अब कम से कम छात्रों को ऐसे मूढ़तापूर्ण कार्यों पर आवाज उठाने और बिना बेहूदगी के विरोध करने का हौसला मिलेगा। यह देखकर अच्छा लगा कि रौनक खत्री या उनके साथियों ने न शिक्षकों से दुर्व्यवहार किया, न किसी किस्म के उपद्रव का माहौल बनाया।

अन्यथा छात्रों के विरोध अक्सर जोश-जोश में गलत रास्ते पर चले जाते हैं और फिर सत्ता को दखलंदाजी का और मौका मिलता है। जेएनयू, बीएचयू, एएमयू, जादवपुर विवि, हैदराबाद विवि, आईआईटी, आईआईएम ऐसे तमाम प्रतिष्ठित भारतीय शिक्षा संस्थान ऐसी ही दखलंदाजियों का शिकार होकर बबार्दी के रास्ते पर हैं। नरेन्द्र मोदी नालंदा की पुनर्प्रतिष्ठा की बात करते हैं, लेकिन ऐसे कई संस्थान जिनमें नालंदा जैसी ऊंचाइयों पर पहुंचने की क्षमता थी, उन्हें पिछले 10 सालों में सड़ी-गली राजनीति में कैद किया गया है। अच्छा है कि डीयू में रौनक खत्री ने एक जरूरी हस्तक्षेप किया है। जो तसल्ली हार्वर्ड के न झुकने के ऐलान से हुई है, वही रौनक खत्री के प्राचार्या कक्ष में गोबर लीपने से हुई है।

राजनीति से प्रेरित है गांधी परिवार पर ईडी की हनक: कांग्रेस

भदोही। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष वसीम अंसारी के नेतृत्व में बुधवार को मुख्यालय पहुंच कर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन डीएम विशाल सिंह को सौंपा। धरना प्रदर्शन कर चेतावनी दिया कि भारत सरकार व ईडी का रवैया गांधी परिवार के नरम नहीं हुआ तो आगे की रणनीति निर्णायक होगा। अध्यक्ष वसीम अंसारी ने कहा कि गांधी परिवार के इतिहास से पूरा देश वाकिफ है। आजादी के बाद पं. जवाहरलाल नेहरू ने अपने संपत्ति का 98% देश को दान कर दिया और जब कभी भी इस देश को रक्त की जरूरत पड़ी तब भी गांधी परिवार पीछे नहीं रहा। राजीव गांधी व इंदिरा गांधी ने इस देश की अखंडता एवं एकता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। गांधी परिवार इस तरह के गीदड़ भभकी से डरने वाले नहीं हैं।

पूर्व अध्यक्ष राजन दुबे ने कहा कि ईडी नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार पर किया गया ऋक्ष पूरी तरह राजनीति से प्रेरित है। विगत वर्षों से केंद्रीय जांच एजेंसियां हमारे नेताओं के खिलाफ प्रताड़ित करने के उद्देश्य से असंवैधानिक रूप से काम कर रही हैं जिसकी घोर निंदा करते हैं। कांग्रेस के कार्यकर्ता डरने वाले नहीं है एक-एक कार्यकर्ता जरूरत पड़ी तो हिंदुस्तान की जेलों को भरने के लिए तैयार हैं और किसी भी कीमत पर इस देश के लोकतंत्र को कमजोर होने नहीं देंगे। इस मौके पर सुरेश चंद मिश्रा, विनोद श्यामधर

मिश्रा, राजेश्वर दुबे, दीनानाथ दुबे, राजेश दुबे, त्रिलोकीनाथ बिन्द, मसूद आलम, सुरेश गौतम, मुशीर इकबाल, सुबुकतगीन अंसारी, नाजिम अली, राजेंद्र प्रसाद मौर्य, महेश चंद मिश्रा, संदीप कुमार दुबे, अवधेश पाठक, जजलाल राय, स्वालेह अंसारी मृत्युंजय सिंह टोनी, शक्ति मिश्रा, विनोद गौतम, विनोद सरोज, शिवपूजन मिश्रा, संजय पांडेय, श्लोक मिश्रा, विमलेश पाल, मुन्ना तिवारी, असलम हाशमी, आजाद हुसैन, करन मौर्य, राजेश सरोज ,राजाराम दुबे, हरिश्चन्द्र दूबे, अकबर अंसारी, परवेज हाशमी, करन मौर्या, आनंद मौर्य, रमाशंकर बिंद, धीरज मिश्रा, नरेश मिश्रा, अनीश शेख, राजा शेख, शाहिद शेख,नसरुल्लाह हाशमी, मोनिश, नफीस अंसारी, दाऊद सिद्दीकी, जमशीर सिद्दीकी, साह आलम, संदीप कुमार गौतम, तौहीद हाशमी, सरवर, राजेश पाल, आकाश बिन्द, अंकित बिन्द इत्यादि लोग उपस्थित रहें।

2014 से 15 प्रतिशत बढ़े प्राइवेट स्कूल, लगातार बढ़ा रहे फीस

- डॉ. ज्ञान पाठक

दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों द्वारा विद्यार्थियों की फीस में की गयी अत्यधिक वृद्धि को लेकर जो विवाद छिड़ा है, उससे देश की शिक्षा व्यवस्था के बारे में और भी भयावह जानकारी मिलती है। सरकारी स्कूलों की संख्या कम होती जा रही है और शिक्षकों तथा बुनियादी ढांचे की कमी के कारण उनमें शिक्षा की स्थिति खराब होती जा रही है। इससे प्राइवेट स्कूलों के पनपने और समृद्ध होने के लिए परिस्थितियां बनती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार हमेशा से देश में शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा देती रही है। हाल ही के आंकड़ों से पता चलता है - 2014-15 से 2023-24 के दौरान प्राइवेट स्कूलों की संख्या में 14.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और उन्होंने पिछले तीन वर्षों में अपनी फीस में 50-80 प्रतिशत की वृद्धि की है। दूसरी ओर, पिछले एक दशक के दौरान देश में सरकारी स्कूलों की संख्या में 8 प्रतिशत की कमी आयी है, जिनमें से अधिकांश भाजपा शासित राज्यों में हैं।

दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों द्वारा विद्यार्थियों की फीस में की गयी अत्यधिक वृद्धि को लेकर जो विवाद छिड़ा है, उससे देश की शिक्षा व्यवस्था के बारे में और भी भयावह जानकारी मिलती है। सरकारी स्कूलों की संख्या कम होती जा रही है और शिक्षकों तथा बुनियादी ढांचे की कमी के कारण उनमें शिक्षा की स्थिति खराब होती जा रही है। इससे प्राइवेट स्कूलों के पनपने और समृद्ध होने के लिए परिस्थितियां बनती हैं, जो केवल उन्हीं छात्रों को शिक्षा देते हैं जिनके माता-पिता या अभिभावक आर्थिक रूप से संपन्न हैं या कम से कम जो किसी तरह से फीस वहन कर सकते हैं, हालांकि बहुत मुश्किल से। यह इस देश के बच्चों के सार्वभौमिक और समान शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन करता है और अपेक्षाकृत गरीब परिवारों के बच्चों के लिए असमान शिक्षा स्तर बनाता है। अभिभावकों तथा माता-पिता में यह डर प्राइवेट स्कूलों के प्रति उनके आकर्षण को बढ़ाता है। अभी पिछले फरवरी महीने में ही केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने लोकसभा को बताया था कि 2014-15 और 2023-24 के बीच सरकारी स्कूलों की संख्या

में 8 प्रतिशत की कमी आई है और प्राइवेट स्कूलों की संख्या में 14.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कुल संख्या की बात करें तो सरकारी स्कूलों की संख्या में 89,441 की कटौती की गयी, जबकि प्राइवेट स्कूलों की संख्या में 42,944 की वृद्धि हुई। वर्तमान में देश में 10,17,660 सरकारी स्कूल हैं, जबकि प्राइवेट स्कूलों की संख्या 3,31,108 है।

सदन में दिये गये आंकड़ों से पता चला है कि भाजपा शासित दो राज्यों- मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश ने सर्वाधिक सरकारी स्कूल बंद किये। मध्य प्रदेश ने 29,410 सरकारी स्कूल बंद किये हैं और उत्तर प्रदेश ने 25,126 सरकारी स्कूल बंद किये हैं। इन दोनों राज्यों ने मिलकर देश में हुई कटौती में 60.9 प्रतिशत का योगदान दिया है। पिछले दशक के दौरान उत्तर प्रदेश में 19,305 प्राइवेट स्कूलों की वृद्धि देखी गयी, जो देश में प्राइवेट स्कूलों की कुल वृद्धि का 44.9 प्रतिशत है। मध्य प्रदेश में सरकारी स्कूलों में गिरावट 24.1 प्रतिशत रही, उसके बाद जम्मू-कश्मीर में 21.4 प्रतिशत, ओडिशा में 17.1 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में 16.4 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 15.5 प्रतिशत, झारखंड में 13.4 प्रतिशत, नागालैंड में 14.4 प्रतिशत, गोवा में 12.9 प्रतिशत और उत्तराखंड में 8.7 प्रतिशत रही। प्राइवेट स्कूलों के मामले में, कुल 10 राज्यों ने 14.9 प्रतिशत की औसत वृद्धि को पार कर लिया। बिहार में प्राइवेट स्कूलों में 179.14 प्रतिशत, ओडिशा में 80.36 प्रतिशत, तथा उत्तर प्रदेश में 24.96 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

तीन राज्य/केंद्र शासित प्रदेश जहां प्राइवेट स्कूलों की संख्या में गिरावट आयी, वे थे मेघालय में 5.36 प्रतिशत, एनसीटी दिल्ली में 2.88 प्रतिशत और हिमाचल प्रदेश में 0.27 प्रतिशत। यह कहने की जरूरत नहीं है कि इन राज्यों में सरकारी स्कूली शिक्षा की उपलब्धियां अधिक हैं, खासकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामले में। अन्य राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सरकारी स्कूल शिक्षा के मामले में पिछड़े हुए हैं, जिसके कारण वहां प्राइवेट स्कूलों का दबदबा बढ़ता जा रहा है।

इससे ही समझा जा सकता है कि पिछले एक दशक में देश भर में प्राइवेट स्कूलों को सरकारी स्कूलों से ज्यादा अहमियत कैसे मिल रही है। इससे प्राइवेट स्कूल छात्रों से अत्यधिक फीस वसूलने में सक्षम हो जाते हैं। एक तरफ परिवारों की वास्तविक आय में गिरावट और दूसरी तरफ प्राइवेट स्कूलों द्वारा अत्यधिक फीस वृद्धि की पृष्ठभूमि में इस साल की स्थिति विशेष रूप से अभिभावकों के लिए परेशानी भरी हो गयी है। हाल ही में लोकल सर्किल द्वारा किये गये एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि देश में पिछले तीन वर्षों में प्राइवेट स्कूलों की फीस में 50-80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। लगभग 93 प्रतिशत अभिभावकों ने फीस वृद्धि को नियंत्रित न करने के लिए सरकारों को दोषी ठहराया है। सर्वेक्षण में देश भर के 309 जिलों को शामिल किया गया। आठ प्रतिशत अभिभावकों ने बताया कि ट्यूशन फीस में वृद्धि 80 प्रतिशत से अधिक है। तमिलनाडु और महाराष्ट्र को छोड़कर देश में कोई भी राज्य प्राइवेट स्कूल की फीस को नियंत्रित नहीं करता है। शैक्षणिक सत्र 2025-26की शुरूआत होते ही देशभर से प्राइवेट स्कूलों द्वारा अत्यधिक फीस वृद्धि के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की खबरें आ रही हैं। दिल्ली में, अभिभावकों का विरोध राजनीतिक हो गया है।

उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्या नीलम प्रभात ने शिकायती प्रार्थना पत्र पर किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

भदोही । उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्या नीलम प्रभात की अध्यक्षता में गुरुवार को महिलाओं से सम्बन्धित योजनाओं को अधिकतम लाभ दिलाए जाने तथा महिला उत्पीड़न की रोकथाम व महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने के उदद्श्य से मंजू देवी निवासी गोपीगंज के शिकायती प्रार्थना पत्र पर सदस्या द्वारा मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया। जिसमें 01 माह में शिकायती प्रार्थना पत्र के निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। सदस्या द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र, गोपपुर में गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 9 गर्भवती महिलाओं को

गोद भराई कार्यक्रम कर महिलाओं को उपहार के रूप में पोषण की पोटली भी दी गई। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, गोपीगंज का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने छात्राओं को निरंतर पढ़ने और किताबों को अपना मित्र बनाने की सलाह दी। सदस्या द्वारा कक्षाओं के साथ-साथ छात्रावास और भोजनालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने छात्राओं के साथ भोजन भी किया। इस दौरान विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित था। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को शौचालय साफ-सफाई व शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिया।महिला जनसुनवाई कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला प्रोबेशन कार्यालय से राजकुमार गुप्ता, आनन्द मौर्या, विवेक गुप्ता, गोपाल कृष्ण यादव, कुणाल गुप्ता, शिक्षिका एवं आंगनबाड़ी व काफी संख्या में छात्राएं आदि उपस्थित रही।

न्याय की लीपापोती : बैंक मैनेजर को मिला दबंगई का लाइसेंस?

● झांसी से आई जांच टीम ● माफी मांगो, पाप धुल जाएंगे?

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बैंक मैनेजर की दबंगई का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि झांसी से आई जांच टीम की कार्यशैली ने इस पूरे घटनाक्रम पर और भी सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। बैंक परिसर में ग्राहक से मारपीट व अभद्रता के वायरल वीडियो के बाद जहां एक ओर आमजन न्याय की उम्मीद लगाए बैठा था, वहीं दूसरी ओर जांच टीम का रवैया इस उम्मीद पर पानी फेरते नजर आए।

झांसी से आई जांच टीम ने पीड़ित ग्राहक से मुलाकात की और पूछा आप चाहते क्या हैं? ग्राहक ने सादगी से उत्तर दिया-मुझे बैंक मैनेजर से लिखित माफी चाहिए। सवाल लाजिमी है कि क्या अब न्याय की कसौटी सिर्फ माफी मांग लो और मामला खत्म तक सीमित रह गई है? क्या सरकारी सेवा में तैनात कोई भी अधिकारी, चाहे वो बैंक मैनेजर हो या अन्य, पहले खुलेआम कानून तोड़े, ग्राहकों से मारपीट करे, फिर माफीनामा देकर सब कुछ पोंछ दे?

जांच टीम के इस एकमात्र निष्कर्ष- माफी लीजिए- ने इस मामले को सिरे से हल्का और खानापूर्ति जैसा बना दिया है। क्या इसी को कहते हैं-न्याय की लीपापोती? प्रश्न ये भी है कि क्या जांच टीम सिर्फ एक औपचारिकता निभाने आई थी? क्या टीम ने वायरल वीडियो को गंभीरता से देखा, क्या मौके की परिस्थितियों की जांच की, और सबसे अहम- क्या बैंक कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन करने वाले अधिकारी पर विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की कोई संस्तुति की? हालांकि जांच टीम का अभी फाइनल जवाब आना बाकी हैं, लेकिन बादलों ने पहले से ही मौसम का इशारा कर दिया है। स्थानीय लोगों और ग्राहकों में इस जांच के बाद गहरा रोष है। अब निगाहें जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों पर हैं कि वे इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं या फिर सिस्टम एक और दबंग अफसर को छूट का सर्टिफिकेट थमा कर बैंकिंग अधिकारियों को मारपीट का लाइसेंस दे देता है?

बैंक मैनेजर ने मांगी माफी

बैंक परिसर में हुई मारपीट व अभद्रता के मामले में बैंक मैनेजर ने औपचारिक माफी पत्र जारी किया है। झांसी से आई जांच टीम की कार्रवाई के बाद, पीड़ित ग्राहक ने माफी की मांग की थी। बैंक मैनेजर ने माफी पत्र जारी करते हुए कहा, इस घटना के लिए खेद है। भविष्य में ऐसी घटना नहीं होगी। हालांकि, स्थानीय लोग अब भी इस मामले में पूरी जांच व उचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

दिव्यांग दंपत्तियों के लिए प्रोत्साहन योजना

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश सरकार के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना में वर्तमान या गत वित्तीय वर्ष में विवाह करने वाले दिव्यांग दंपत्तियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रियंका यादव ने बताया कि योजना में यदि युवक दिव्यांग है तो 15,000 रूपए, युवती दिव्यांग हो तो 20,000 रूपए तथा दोनों दिव्यांग होने की स्थिति में 35,000 रूपए की प्रोत्साहन राशि दंपत्ति को दी जाएगी। आवेदन के लिए युवक की आयु 21 से 45 वर्ष और युवती की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। साथ ही, किसी भी पक्ष को आयकरदाता नहीं होना चाहिए और कम से कम 40 प्रतिशत दिव्यांगता प्रमाणित होनी चाहिए।

पॉवर ड्रंक ब्यूरोक्रेसी : योगी के मंसूबों पर तमाचा मारता मुख्य गाली अधिकारी

निरंजन पाण्डेय

● पद, प्रतिष्ठा व जातिवाद का कॉकटेल ● खामोश सिस्टम?

चित्रकूट। जिला अस्पताल में चिकित्सक व प्रशासन का काम जनसेवा करना है, लेकिन जब यह जिम्मेदारी सत्ता के नशे में बदल जाए, तो दवाइयाँ नहीं, गालियाँ दी जाने लगती हैं। मुख्य गाली अधिकारी का एक ऑडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है, जिसमें वह अपने ही एक डॉक्टर को जातीसूचक गालियाँ दे रहे हैं। यह कोई साधारण गालियाँ नहीं हैं। यह तो एक नवीन प्रशासनिक दर्शन है, जहां पद, प्रतिष्ठा व जातिवाद का कॉकटेल बनाकर सत्ता की मदहोशी में शब्दों की मयार्दा को रौंद दिया गया है। यह केवल एक अधिकारी की भद्दी जुबान का मामला नहीं, बल्कि यह पावर डंज्क अफसरशाही का सबसे खतरनाक उदाहरण है, जो बेतहाशा बढ़ता जा रहा है।

वायरल ऑडियो में जो सुनाई देता है, वह न केवल व्यक्तिगत दुर्व्यवहार है, बल्कि यह इस सिस्टम का बीमार चेहरा भी उजागर करता है। लेकिन सवाल है कि क्या यही अब प्रशासन की नई संस्कृति बन गई है? यह पहला मौका नहीं है जब गाली अधिकारी सुर्खियों में आए हैं। कुछ ही दिन पहले, एक महिला स्वास्थ्य कर्मी ने भी उन पर भ्रष्टाचार व गाली-गलौज के गंभीर आरोप लगाए थे। लेकिन फिर क्या ? वही पुरानी कहानी। सिस्टम के भीतर उनकी पकड़ इतनी मजबूत है कि कोई कार्रवाई नही। क्यों? क्योंकि चित्रकूट में अब पावर का ऐसा असर है कि जो लोग अफसर बनने के बाद समाज की सेवा में यकीन करते थे, वे अब जातिवाद, गालियाँ व हिंसा की भाषा बोल रहे हैं। यह सिस्टम की खामोशी का बेहतरीन उदाहरण है। क्या यही है वह प्रशासनिक संस्कृति, जहाँ अफसरशाही की आड़ में बैठकर कोई भी अधिकारी अपने मनमाने तरीके से जातीवादी, और अपमानजनक भाषा का प्रयोग कर सकता है, और कोई उसे रोके नहीं? क्या यह सिर्फ अधिकारियों का नशा है, या फिर यह नशा सिस्टम की खामोशी का है? वहीं जब जिम्मेदार अधिकारी से पूछा किसी मामले में कोई कार्रवाई हुई तो उन्होने बात पूरी होने से पहले ही घबराकर फोन काट दिया।

राज्य महिला आयोग की सदस्या का निरीक्षण, दिए सुधारात्मक निर्देश

● जिला अस्पताल में मिली खामियां

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। राज्य महिला आयोग की सदस्या प्रतिभा कुशवाहा ने गुरूवार को चित्रकूट में अपने दौरे के दूसरे दिन सोनेपुर के संयुक्त जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पीएनसी वार्ड में गर्भवती व धात्री महिलाओं को दिए जाने वाले भोजन में कई कमियाँ पाई गई। खासकर, मेनू के अनुसार उन्हें समय पर दूध, फल व अन्य आहार नहीं मिल रहे थे। इसके अलावा, स्टाफ नर्स व लेडी स्टाफ के लिए टॉयलेट की समस्याएं सामने आईं। मरीज से 1 रुपये की जगह 5 मांगने की भी शिकायत मिली, और न देने पर अभद्रता करने की घटनाएं भी सामने आईं। इन समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए, सदस्यता ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

इसके बाद, प्रतिभा कुशवाहा ने जिले के गढ़ीवा ग्राम पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र का दौरा किया, जहां अन्नप्राशन और गोद भराई कार्यक्रम किया गया था। जिसमें उन्होंने धात्री महिलाओं को फल और आहार दिए, जबकि बच्चों को खीर खिलाकर अन्नप्राशन किया। इसके बाद, उन्होंने वन स्टाफ सेंटर का निरीक्षण किया, जहां सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित पाई गईं। शिवरामपुर के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का निरीक्षण करते हुए, उन्होंने बच्चों को योग, सूर्य नमस्कार और पढ़ाई में मन लगाने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में प्रतिभा कुशवाहा के साथ जिला प्रोबेशन कार्यालय के अधिकारी पंकज कुमार मिश्रा, एचईडब्ल्यू टीम से प्रिया माथुर, जेंडर स्पेशलिस्ट मीनू सिंह, महिला मोर्चा महामंत्री विनीत द्विवेदी समेत अन्य मौजूद रहे।

निरीक्षण में महिलाओं व बच्चों के साथ प्रतिभा कुशवाहा

गेहूं से भरी ट्राली पलटने से महिला की मौत, परिवार में कोहराम

चित्रकूट। रामपुर खदरा में आज एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें गेहूं से भरी ट्राली पलटने के कारण एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान पियरिया देवी (55) के रूप में हुई है। रामपुर कल्याणगढ़ के मजरा खदरा निवासी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि आज सुबह साढ़े दस बजे वह और उनके परिवार के सदस्य ट्राली से गेहूं उतार रहे थे। जैसे ही ट्राली का अगला हिस्सा खाली हुआ, अचानक वह पलट गई। इस हादसे में पियारिया देवी ट्राली के नीचे दब गईं। ट्राली को हटाने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। घटना के समय पियरिया देवी कुछ देर पहले महुआ बीनकर घर लौटी थीं और ट्राली के पीछे छाया में बैठकर सरसों साफ कर रही थीं। ट्राली उस समय ट्रैक्टर से जुड़ी नहीं थी, जिससे यह हादसा हुआ। परिवार इस अचानक हुए हादसे से गहरे सदमे में है। अपराध निरीक्षक विनय विक्रम सिंह ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

सोलर फेंसिंग से होगी फसल की रक्षा, सहजन से खेतों की हरियाली

अखंड भारत संदेश

● किसानों को मिली नई उम्मीद

चित्रकूट। बुंदेलखंड के किसानों के लिए एक बड़ी सौगात लेकर आई है बुंदेलखंड एकीकृत कृषि (सोलर फेंसिंग) योजना, जिसके तहत अब किसानों की फसलें अन्ना पशुओं व जंगली जानवरों से सुरक्षित रहेंगी। उप कृषि निदेशक राज कुमार ने बताया कि इस योजना में न्यूनतम 10 हेक्टेयर क्षेत्र के फार्मर क्लस्टर का गठन होगा, जिसमें लगभग 1500 रनिंग मीटर तक सोलर फेंसिंग की जाएगी। इस फेंसिंग पर किसानों को 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा, जबकि 20 प्रतिशत कृषकों को देना होगा।

जिले में इस योजना में कुल 92 क्लस्टर बनाए जाएंगे, जो कुल 1380 हेक्टेयर क्षेत्रफल को कवर करेंगे। योजना में तीन मॉडल प्रस्तावित हैं- पहले मॉडल में 1.5 मीटर ऊँचाई, दूसरे में 1.8 मीटर और तीसरे में 2.1 मीटर ऊँचाई की सोलर फेंसिंग की जाएगी। इस योजना की एक और खास बात यह है कि खेतों की मेडों पर प्रति क्लस्टर 500 सहजन पौधे लगाए जाएंगे, जिसका व्यय पूरी तरह से परियोजना वहन करेगी। इससे खेतों की हरियाली तो बढ़ेगी ही, साथ ही पोषण व पर्यावरण का भी लाभ मिलेगा। योजना का क्रियान्वयन ग्राम एवं परियोजना स्तर पर गठित समितियों के माध्यम से किया जाएगा, जिनमें अध्यक्ष व सदस्य नामित किए जाएंगे। उप कृषि निदेशक ने जिले के समस्त कृषकों से अपील की है कि वे योजना के मॉडल के अनुसार अपने क्लस्टर गठित कर आवेदन कृषि भवन चित्रकूट तथा उप संभाग कृषि प्रसार कार्यालय कर्वी एवं मऊ में उपलब्ध कराएं।

साइबर सेल की सुपर स्ट्राइक ठगी रकम लौटाई खातों में

लौटाए 2.43 लाख रुपये

चित्रकूट। साइबर ठगों की चालाकी पर भारी पड़ी चित्रकूट साइबर सेल की मुस्तैदी। स्क्रीन शेयरिंग ऐप व एपीके फाइल के जरिए चार लोगों से ठगे गए 2,43,600 रुपये साइबर सेल टीम ने तकनीकी चक्रव्यूह तोड़ते हुए उनके खातों में वापस करा दिए। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश में साइबर सेल प्रभारी निशीकान्त राय, सिपाही सर्वेश कुमार व प्रशांत कुमार की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। ठगों ने डिजिटल झांसे से आम नागरिकों को फंसाया, लेकिन साइबर टीम ने तत्परता दिखाते हुए एक-एक रुपये की वापसी कराकर जनता का भरोसा फिर से कायम किया। प्रभारी निशीकान्त राय ने कहा कि ऑनलाइन सुविधा का लाभ लें, लेकिन सतर्कता रखें। जरा सी चूक, भारी नुकसान का कारण बन सकती है। बताया कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करें या नजदीकी थाने व साइबर सेल को सूचित करें।

एसपी की अध्यक्षता में कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एक बैठक का हुई, जिसमें कानून व्यवस्था, अभियोजन मामलों, महिला अपराधों व आगामी विभिन्न परीक्षा केंद्रों के निर्धारण पर चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न मुद्दों की विस्तृत समीक्षा की गई, जिसमें ई-प्रासीक्यूशन पोर्टल पर अभियोजन कार्यों की प्रगति, अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत आर्थिक सहायता, गिरोहबंदी अधिनियम, महिला अपराध, नाबालिगों से संबंधित अपराध, पास्को अधिनियम, अवैध खनन, ओवरलोड परिवहन, अवैध वसूली पर गंभीर चर्चा की गई।

एसपी ने शासकीय अधिवक्ताओं से मानिकपुर क्षेत्र में पास्को मामले में शीघ्र कार्यवाही करने को कहा व थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि अधीनस्थ न्यायालय से संबंधित कोई भी कागजात पेंडिंग न रहें। साथ ही, महिला अपराधों, माफियाओं व टॉप 10 अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकता से त्वरित कार्यवाही करें। उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को निरीक्षण व छापामारी बढ़ाने के लिए टारगेट निर्धारित करने को भी कहा। इसके अतिरिक्त, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी व खनिज अधिकारी को संयुक्त अभियान चलाकर ओवरलोड वाहनों की रोकथाम का आदेश दिया। बैठक में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग व अधीनस्थ कर्मचारी सेवा चयन आयोग की कराई जाने वाली परीक्षा केंद्रों के निर्धारण पर भी चर्चा हुई और केन्द्रों के चयन को लेकर शासन से सहमति प्राप्त करने की प्रक्रिया तय की गई। बैठक में एडीएम उमेश चंद्र निगम, सीओ नगर राजकमल, सीओ राजापुर राजकरण सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी पंकज कुमार मिश्रा समेत अन्य मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक लेते एसपी

मझगवां में पोषण पखवाड़ा का आयोजन, ग्रामीण महिलाओं को मिली सेहतमंद जीवनशैली की सीख

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र, मझगवां में 8 अप्रैल से 17 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया गया, जिसमें बरुआ, पिंडरा, केलहौरा सहित कई पंचायतों की 40 ग्रामीण महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों के पोषण स्तर में सुधार और संतुलित आहार की अहमियत को लेकर जागरूकता फैलाना रहा।

डॉ हेमराज द्विवेदी (खाद्य प्रसंस्करण वैज्ञानिक) ने बताया कि गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली माताएं, किशोरियाँ और छोटे बच्चों के लिए पोषण युक्त भोजन जरूरी है। उन्होंने सिखाया कि स्थानीय संसाधनों से कैसे पोषणयुक्त थाली तैयार की जा सकती है। डॉ पंकज शर्मा ने पोषण वाटिका, परंपरागत खाद और प्राकृतिक कीट नियंत्रण की विधियाँ बताईं, जबकि मृदा वैज्ञानिक डॉ अशोक शर्मा ने मिट्टी जांच, संतुलित उर्वरक प्रयोग व वर्षा जल संचयन पर प्रशिक्षण दिया। प्रतिभागियों ने केवीके की प्रदर्शनी इकाइयों का भी भ्रमण किया। कार्यक्रम में समाज शिल्पी दयाराम यादव सहित अनेक ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं और इसे ग्रामीण स्वास्थ्य के क्षेत्र में सशक्त पहल बताया।

पोषण पखवाड़े में मौजूद महिलाएं व बच्चे

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से किसान की मौत, चालक फरार

चित्रकूट। भरतकूप थाना क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 60 वर्षीय किसान सतीश चंद्र गुप्ता की मौत हो गई। यह हादसा टिटहरा मोड़ के पास हुआ, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल सवार सतीश गुप्ता को टक्कर मार दी।

मृतक सतीश गुप्ता, जो कि गोंडा गांव के निवासी थे, सुबह अपने गेहूं के खेत की फसल की स्थिति देखने के लिए निकले थे। वह जब टिटहरा मोड़ पर पहुंचे, तो तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद दुर्घटना की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। भरतकूप थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पंचनामा की कार्रवाई की। शव

को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि दुर्घटना के बाद सतीश गुप्ता को गंभीर अवस्था में सीएचसी शिवरामपुर लाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक की पहचान उनके जेब में मिले मोबाइल से हुई। पुलिस ने बताया कि ट्रक चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया, हालांकि ट्रक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार चालक की तलाश जारी है।

पाकिस्तान से जर्मनी लाए जा रहे अफगान कौन हैं?

जर्मनी

जर्मनी में एक महीने के भीतर नई सरकार का गठन होने की उम्मीद है. इससे ऐन पहले सैकड़ों अफगान नागरिकों को जर्मनी लाने की कवायद तेज हो गई है. कौन हैं ये अफगान और सरकार उन्हें जर्मनी क्यों ला रही है?

जर्मन सरकार का एक विशेष विमान 16 अप्रैल को 138 अफगान नागरिकों के साथ लाइपजिग पहुंचा. ये सभी ऐसे अफगान नागरिक हैं, जिनके बारे में आशंका है कि तालिबान उन्हें निशाना बना सकता है. अफगान नागरिकों को लेकर आया विमान विमान पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद से उड़ा था. फिलहाल इन्हें दो हफ्ते तक एक विशेष शिविर में रखा जाएगा और फिर जर्मनी के अलग-अलग राज्यों में भेजा जाएगा.

इस साल जर्मनी लाए अफगान नागरिकों की यह चौथी खेप है. इन चारों मौकों को मिलाकर साल 2025 में अब तक 599 अफगान जर्मनी लाए जा चुके हैं. जर्मन विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान में अभी भी करीब 2,600 अफगान नागरिक ऐसे हैं, जो तालिबान के संभावित खतरे के कारण संवेदनशील सूची में रखे गए हैं और जर्मनी लाए जाने का इंतजार कर रहे हैं.

हालांकि, मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि इन सभी लोगों को जर्मनी आने की कानूनी अनुमति पहले ही दी जा चुकी थी और अब आगे कोई नया ग्रांट जारी नहीं किया जाएगा. मंत्रालय ने यह भी बताया कि जर्मनी लाए जाने से पहले हर एक व्यक्ति की विस्तृत जांच की गई.

जर्मनी में चाकू हमले के बाद प्रवासियों पर फिर बहस तेज

जांच का संदर्भ हालिया महीनों में जर्मनी में हुए उन हमलों से जुड़ा है, जिनमें अफगानी शरणार्थियों की भूमिका रही थी. इन हमलों के बाद जर्मनी में शरण देने संबंधी नीतियों और आपराधिक पृष्ठभूमि के रिफ्यूजियों को डिपोर्ट करने में हुई कथित चूक पर बहस तेज हुई. जर्मनी के संसदीय चुनावों में भी यह बड़ा मुद्दा रहा और कई शरणार्थियों को डिपोर्ट भी किया गया.

किन परिस्थितियों में अफगानिस्तान गया जर्मनी?

अफगानिस्तान में जर्मनी की उपस्थिति का संदर्भ 9/11 से जुड़ा है. सितंबर 2001

में आतंकवादी संगठन 'अल कायदा' ने अमेरिका के ट्रेड टावर समेत चार जगहों को निशाना बनाया. अफगानिस्तान में उस वक्त अल-कायदा का सबसे बड़ा ठिकाना था. जवाबी कार्रवाई के तहत अमेरिका ने नाटो (नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन) के आर्टिकल पांच का इस्तेमाल किया. साझा सुरक्षा की शर्त से जुड़ा यह अनुच्छेद किसी भी सदस्य पर हमले की स्थिति में बाकी सदस्यों की सैन्य भागीदारी सुनिश्चित करता है.

जर्मनी भी इस बहुराष्ट्रीय सैन्य गठबंधन का हिस्सा है और 9/11 के बाद उसने भी अपने सैनिक अफगानिस्तान भेजे. इसी क्रम में दिसंबर 2001 में एक गठबंधन 'इंटरनेशनल सिक्यॉरिटी असिस्टेंट फोर्स' (आईएसएएफ) बना. इसमें भी जर्मनी की मुख्य भूमिका रही. अगस्त 2003 में नाटो ने आईएसएएफ का नेतृत्व संभाला. इसके बाद भी अफगानिस्तान में मौजूद अलग-अलग देशों के संख्याबल के हिसाब से जर्मनी सबसे बड़े देशों में से एक था.

आईएसएएफ के दो प्रमुख उद्देश्य थे. पहला, नई अफगान सरकार को सुरक्षा मुहैया कराना और दूसरा, अफगान सुरक्षा बलों को नए सिरे से गठित कर उन्हें प्रशिक्षित करना, ताकि वो अफगानिस्तान की सुरक्षा में आत्मनिर्भर हों और फिर कभी आतंकवादियों को वहां सुरक्षित पनाह ना मिल सके. साल 2011 से धीरे-धीरे सुरक्षा का जिम्मा अफगान फोर्सेज के सुपुर्द किया जाने लगा. 2014 खत्म होते-होते ट्रांजिशन की प्रक्रिया पूरी हो गई और इसके साथ ही आईएसएएफ का मिशन भी पूरा हुआ.

अफगानिस्तान में जर्मनी की सैन्य और नागरिक भूमिका

हालांकि, अफगानिस्तान में अन्य देशों की उपस्थिति यहां खत्म नहीं हुई. जनवरी 2015 में नाटो की अगुआई में ही 'रेजॉल्यूट सपोर्ट मिशन' (आरएसएम) का गठन किया गया।

ब्राजील: टमाटर फार्म पहुंचे शिवराज सिंह चौहान, बोले- 'उन्नत अनुसंधान को देखकर अत्यंत प्रसन्नता हुई'

साओ पाउलो। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान इन दिनों ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की 15वीं बैठक में भाग के लिए ब्राजील गए हुए हैं। इस बैठक से पहले कृषि मंत्री ब्राजील के टमाटर फॉर्म पहुंचे और कृषि सिंचाई तकनीक का जायजा लिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए अपने एक वीडियो पोस्ट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, "ब्राजील प्रवास के दौरान मुझे यहां के एक प्रमुख सोया तेल क्रशिंग और पैकेजिंग संयंत्र का अवलोकन करने तथा आधुनिक तकनीकी को समझने का अवसर मिला। ब्राजील ने सोयाबीन उत्पादन में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। यहां उच्च स्तर की मशीनीकरण प्रक्रिया और उन्नत अनुसंधान को देखकर अत्यंत प्रसन्नता हुई। इस दौरान ब्राजील के प्रतिनिधिमंडल को भारत में सितंबर 2025 में होने वाले वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। इस वीडियो में उन्होंने कहा, "मैं यहां के कृषि मंत्री के साथ इस फॉर्म में आया हूं। यहां

टमाटर की खेती हो रही है। मैंने यहां के सिंचाई के सिस्टम को देखा है। इसमें एक मशीन है, जिसमें यूरिया का टैंक है। वह यूरिया पानी में घोला जा रहा है। पानी में यूरिया घोलकर टैंक के जरिए पाइपलाइन तक पहुंच रही है। इन पाइपों में स्प्रिंकल लगे हुए हैं। इन स्प्रिंकलों से इन टमाटरों में पानी दिया जा रहा है, जिसमें पहले से ही न्यूट्रिएंट्स मिले हुए हैं। इसमें जितनी जरूरत है, उतना ही पानी दिया जाता है। यह पूरा सिस्टम ही मैकेनाइज्ड है। पास में ही पानी का टैंक बनाया गया है। उस पानी के टैंक में बारिश के दिनों में जल इकट्ठा होता है। उसी पानी से खेतों की सिंचाई की जाती है। उसी पानी को इससे फुहारेनुमा छिड़का जाता है। ताकि ढंग से सिंचाई हो सके। यह पूरा कंट्रोल्ड सिस्टम है। पौधे को जितने न्यूट्रिएंट्स और पानी चाहिए, उतना ही दिया जाता है।" बता दें कि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 17 अप्रैल को ब्राजील में आयोजित ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की 15वीं बैठक में भाग लेंगे। इस दौरान वे ब्राजील के कृषि और पशुधन मंत्री कार्लोस हेनरिक बाक्वेटा फावारो और कृषि विकास एवं पारिवारिक कृषि मंत्री लुइज पाउलो टेक्सेरा के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अनुसार, इस बैठक में ब्रिक्स समूह के सदस्य देशों ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, इथियोपिया, इंडोनेशिया और ईरान के कृषि मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी हिस्सा लेंगे।

ट्रम्प-मेलोनी की बैठक में अमेरिकी टैरिफ मांगों को मंजूरी मिलने की उम्मीद : यूरोपीय संघ

मॉस्को। यूरोपीय संघ (ईयू) के व्यापार वार्ताकारों को उम्मीद है कि इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की वाशिंगटन यात्रा और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ उनकी बैठक अमेरिकी टैरिफ मांगों पर मंजूरी मिल सकती है। ह्यद फाइनेंशियल टाइम्स ह्ल में गुरुवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट यह जानकारी दी गयी।

समाचार पत्र की रिपोर्ट में कहा है कि ब्लॉक के वार्ताकारों ने कथित तौर पर शिकायत की है कि उन्हें अमेरिकी मांगों के बारे में जानकारी नहीं दी गई है और अब उन्हें उम्मीद है कि मेलोनी की यात्रा से स्थित स्पष्ट हो जाएगी।

इसके साथ ही नाटो में इटली के पूर्व राजदूत स्टेफानो स्टेफनिनी का मानना है कि इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी को ह्लयूरोपीय संघ के मध्यस्थों पर इसका लाभ मिल

सकता हैह्व क्योंकि वह ह्लनिर्णायकोंह्व से बात कर रही हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ उनके मधुर संबंध हैं।

चार यूरोपीय संघ देशों के अनाम राजनयिकों ने बताया कि पारस्परिक टैरिफ पर इटली के नरम रुख की कुछ सदस्य देशों द्वारा आलोचना की जाती है, लेकिन उन्होंने बताया कि ट्रम्प के साथ मेलोनी के मधुर संबंध फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

इतालवी प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से ब्रुसेल्स के इस प्रस्ताव का समर्थन किया कि यदि वाशिंगटन भी ऐसा ही करता है तो वह औद्योगिक वस्तुओं पर सभी टैरिफ हटा लेगा, हालांकि वार्ता के बारे में जानकारी रखने वाले राजनयिकों ने कथित तौर पर कहा कि अमेरिका टैरिफ कम करने में रुचि नहीं रखता है और उसके घोषित 10 प्रतिशत टैरिफ दर के बने रहने की संभावना है।

केन्याई राष्ट्रपति विलियम समोई रुटो चीन की राजकीय यात्रा करेंगे

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के निमंत्रण पर, केन्याई राष्ट्रपति विलियम समोई रुटो 22 से 26 अप्रैल तक चीन की राजकीय यात्रा करेंगे।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन च्येन ने गुरुवार को पेइचिंग में आयोजित एक नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विश्वास जताते हुए कहा कि यह यात्रा चीन-केन्या संबंधों को गहरा करने, साझा भविष्य वाले नए चीन-अफ्रीका समुदाय का निर्माण करने तथा "वैश्विक दक्षिण" में एकता और सहयोग को बढ़ावा देने में योगदान देगी।

लिन च्येन ने चीन-केन्या मैत्री का उच्च मूल्यांकन करते हुए कहा कि चीन और केन्या के बीच दोस्ती प्राचीन समुद्री रेशम मार्ग से शुरू हुई। नए युग में प्रवेश करते हुए दोनों देशों ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी स्थापित की है, उच्च स्तरीय आदान-प्रदान लगातार हुआ है, राजनीतिक आपसी विश्वास निरंतर गहरा रहा है, "बेल्ट एंड रोड" के संयुक्त निर्माण में फलदायी परिणाम सामने आए हैं और दोनों देशों ने क्षेत्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर घनिष्ठ सहयोग किया है।

चीनी प्रवक्ता के अनुसार, यह यात्रा चीन-अफ्रीका सहयोग मंच के पेइचिंग शिखर सम्मेलन के बाद किसी अफ्रीकी नेता की चीन की पहली राजकीय यात्रा है। यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति शी चिनफिंग राष्ट्रपति रुटो के लिए एक स्वागत रस्म और स्वागत भोज का आयोजन करेंगे तथा दोनों राष्ट्राध्यक्ष वार्ता करेंगे।

चीन-मलेशिया सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम कुआलालंपुर में आयोजित

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मलेशिया की राजकीय यात्रा के दौरान, चाइना मीडिया ग्रुप (सीएमजी) द्वारा आयोजित "समृद्धि के लिए एक साथ काम करें" चीन-मलेशिया सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम कुआलालंपुर में आयोजित हुआ। सीपीसी केंद्रीय समिति के प्रचार विभाग के उप मंत्री और सीएमजी के महानिदेशक शेन हाईश्योंग, मलेशिया के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार मंत्री और मलेशिया की संचार उप मंत्री ने इस कार्यक्रम में भाषण दिए। इस कार्यक्रम में मलेशिया के राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक और मीडिया जगत से 200 से अधिक अतिथि शामिल हुए।

सीएमजी के महानिदेशक शेन हाईश्योंग ने भाषण देते हुए कहा कि इतिहास की लंबी नदी में, चीन और मलेशिया के बीच मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान लंबे समय से एक-दूसरे की यादों में अंकित है। समुद्री रेशम मार्ग पर व्यापार आदान-प्रदान से लेकर पश्चिम की ओर चेंग हे की यात्राओं के शांतिपूर्ण पदचिह्नों तक, मलक्का में बुकिट चीन से लेकर पेनांग में क्लान ब्रिज तक, दोनों देशों के लोगों ने मिलकर आपसी समझ और प्रेम की अनेक मैत्रीपूर्ण कहानियां लिखी हैं।

चाइना मीडिया ग्रुप हमेशा से चीन-मलेशिया मैत्री का रिकॉर्डर, कथावाचक और प्रवर्तक बनने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। हाल के वर्षों में, हमने मलेशिया के प्रासंगिक विभागों और मुख्यधारा के मीडिया के साथ सहयोग गहरा किया है, दोनों देशों के लोगों की आम चिंताओं पर ध्यान केंद्रित किया है और रिपोर्ट करने के लिए "हमारी कहानी", "दुनिया को देखना" और "एशियाई दृष्टिकोण" जैसे कार्यक्रम शुरू किए हैं।

इंडोनेशिया : माउंट लेवोटोबी ज्वालामुखी में विस्फोट, विमानों के लिए चेतावनी जारी

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत में स्थित माउंट लेवोटोबी में बुधवार को ज्वालामुखी विस्फोट हो गया। इसके बाद उड़ानों के लिए चेतावनी और सुरक्षा संबंधी सलाह जारी कर दी गई है। ज्वालामुखी विज्ञान और भूवैज्ञानिक आपदा न्यूनीकरण केंद्र (जियोलॉजिकल डिजास्टर मिटिगेशन सेंटर) ने यह जानकारी दी। विस्फोट से आकाश में 3,500 मीटर तक राख फैल गई। आसमान में घने भूरे बादल बन गए।

ज्वालामुखीय राख से उत्पन्न होने वाले जोखिम को कम करने के

लिए, विमानन के लिए ज्वालामुखी वेधशाला नोटिस ऑरेंज स्तर पर जारी किया गया है, जो दूसरी सबसे बड़ी चेतावनी है। इसमें माउंट लेवोटोबी के आसपास के क्षेत्र में विमानों को 5,000 मीटर से नीचे उड़ान भरने पर प्रतिबंध लगाया गया है। चेतावनी में कहा गया है कि? विमानों को ज्वालामुखीय राख से सावधान रहना चाहिए। राख उड़ानों को बाधित कर सकती है।

समाचार एजेंसी शन्?हुआ ने बताया कि ज्वालामुखी की ढलान पर रहने वाले निवासियों को ज्वालामुखीय पदार्थों के जोखिम से बचाने के लिए सुरक्षा सलाह जारी कयिा गया है। निवासियों, पर्यटकों और आगंतुकों को ज्वालामुखी से छह किमी के दायरे में किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होने के लिए कहा गया है।

ज्वालामुखी के पास रहने वाले समुदायों को ज्वालामुखी से निकलने वाले लावा से सावधान रहने के लिए कहा गया है।

गाजा पर इजरायली हमलों में 19 फिलीस्तीनी नागरिकों की मौत

गाजा। गाजा पट्टी के विभिन्न क्षेत्रों में इजरायली हमलों में कम से कम 19 फिलीस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। गाजा सिविल डिफेंस (नागरिक सुरक्षा) के प्रवक्ता महमूद बसल ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि गाजा शहर के उत्तर-पूर्व में अल-तुफाह पड़ोस में हसौना परिवार के घर को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में कई बच्चों और महिलाओं समेत 10 लोग मारे गए।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा पट्टी के उत्तर में जबालिया क्षेत्र में इजरायली सेना ने तीन लोगों की हत्या कर दी और अन्य को घायल कर दिया।

प्रवक्ता महमूद बसल ने बताया कि गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर खान यूनिस में इजरायली ड्रोन हमलों में कम से कम दो बच्चों समेत पांच लोगों की जान गई।

वहीं, केंद्रीय नुसेरात शहर में विस्थापितों को भोजन वितरित करने वाले एक टेंट पर इजरायली विमान के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, बुधवार सुबह से ही गाजा सिटी के पूर्वी हिस्सों, बेत हनून और बेत लाहिया क्षेत्रों में इजरायली तोपखाने से लगातार गोला-बारी की जा रही है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

पाकिस्तान की विदेश सचिव 15 वर्षों में पहली द्विपक्षीय वार्ता के लिए पहुंचीं बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच बढ़ती नजदीकियां एक बार फिर देखने को मिलीं। पाकिस्तान की विदेश सचिव आमना बलूच विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) के लिए बुधवार को ढाका पहुंचीं। एफओसी 15 साल के अंतराल के बाद आयोजित हो रही है। दोनों दक्षिण एशियाई देशों के बीच उच्च स्तरीय वार्ता गुरुवार को राजकीय अतिथि गृह 'पद्मा' में होगी। मेजबान प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बांग्लादेश के विदेश सचिव जसीम उद्दीन करेंगे। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, "दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय मुद्दों की पूरी श्रृंखला पर चर्चा होने की उम्मीद है।" उन्होंने कहा कि चूंकि यह वार्ता काफी लंबे समय के बाद हो रही है, इसलिए कोई खास एजेंडा तय नहीं किया गया है। चर्चा के दौरान आपसी हित के सभी क्षेत्रों को शामिल किए जाने की संभावना है। बांग्लादेश में युद्ध अपराधों के मुकदमों और विभिन्न एतिहासिक कारणों की वजह से पूर्व अवामी लीग सरकार के 15 साल के शासन के दौरान ढाका और इस्लामाबाद के बीच संबंध तनावपूर्ण रहे। बांग्लादेश-पाकिस्तान संबंधों में प्रमुख मुद्दों में हमेशा 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान नरसंहार में पाकिस्तान की भूमिका, फंसी हुई ।

यमन की राजधानी पर अमेरिकी हवाई हमलों में 1 की मौत

सना। यमन की राजधानी सना में अमेरिकी हवाई हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। हूती नियंत्रित स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि हमले रिहायशी इलाके और अन्य स्थानों पर किए गए।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, बुधवार को स्थानीय लोगों ने बताया कि हमलों में सना के बीच स्थित अल-नहदा इलाके के एक घर को निशाना बनाया गया।

इस बीच, हूती नियंत्रित अल-मसीरा टीवी ने बताया कि सना और उसके आसपास के कई इलाकों पर अमेरिका ने करीब 20 हवाई हमले किए। इनमें माउंट नुकुम में स्थित अल-हफा सैन्य ठिकाना और बानी हशिश, निहम और मनखा जैसे जिले शामिल हैं।

बताया गया कि पूरे शहर में लड़ाकू विमानों की आवाजें और धमाकों की गूंज सुनी गई।

15 मार्च को अमेरिकी सेना ने हूती मिलिशिया पर फिर से हवाई हमले शुरू किए। इसका मकसद उन्हें लाल सागर में इजरायली ठिकानों और अमेरिकी युद्धपोतों पर हमले करने से रोकना था।

हूती सना समेत उत्तरी यमन के ज्यादातर हिस्सों पर कब्जा रखते हैं। उन्होंने कहा है कि अगर इजरायल गाजा पट्टी में युद्ध रोक दे और वहां जरूरी खाद्य सामग्री और दवाएं जाने दे, तो वे भी अपने हमले बंद कर देंगे। हूती विद्रोहियों ने रविवार रात को कहा कि उन्होंने यमन के हज्जाह प्रांत में एक एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराया। हज्जाह प्रांत यमन के उत्तर-पश्चिम में लाल सागर के पास और सऊदी अरब की सीमा पर स्थित है।

हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने एक पूर्व-रिकॉर्डेड वीडियो संदेश में कहा कि यह गोलीबारी दो हफ्तों में विद्रोहियों द्वारा की गई चौथी घटना है।

सारी ने कहा कि विद्रोहियों ने ड्रोन को "स्थानीय रूप से बनाए गए मिसाइल" से निशाना बनाया। हूती के पास सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें ईरानी मिसाइल '358' की ही तरह हैं, जो विमान को मार गिराने में सक्षम हैं। ईरान ने विद्रोहियों को हथियार देने से इनकार किया है, लेकिन युद्ध के मैदान में और संयुक्त राष्ट्र के हथियार प्रतिबंध के बावजूद यमन में शिया हूती विद्रोहियों के लिए भेजे जा रहे समुद्री जहाजों में तेहरान द्वारा बनाए गए हथियार पाए गए हैं।